राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

# विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 272
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 26 अगस्त 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 नोएडा प्राधिकरण की नई बिल्डिंग का 96 प्रतिशत काम पूरा | पेज 4 दीपावली पर दिल्ली से लखनऊ का किराया 7200 | पेज 6 टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

## संक्षिप्त खबरें

### एल्विश यादव के घर फायरिंग में दो और शूटर गिरफ्तार

**गुरुग्राम।** गुरुग्राम में यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर हुई फायरिंग मामले में दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो और शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरीदाबाद के गौरव और आदित्य के रूप में हुई है, जो दिल्ली के शाहबाद इलाके में छिपे हुए थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों आरोपी कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ के लिए काम करते थे और उससे अमेरिका में रहते हुए सिग्नल एप के माध्यम से संपर्क में थे। बता दें कि 17 अगस्त को एल्विश यादव के घर पर 24 राउंड फायरिंग हुई थी, जिसमें दरवाजों, खिड़कियों और छत की सीलिंग तक पर गोलियों के निशान मिले थे।

### महिला सांसद को भाजपा की बैठक में जाने से रोका

**जबलपुर।** जबलपुर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की बैठक में शामिल होने जा रहीं राज्यसभा सांसद सुमित्रा बाल्मिक को पुलिस ने बाहर रोक दिया। इस पर पुलिस से उनकी बहस हो गई। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने सांसद के साथ धक्का-मुक्की भी की। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की तो सीनियर नेताओं ने दखल दिया, जिसके बाद सांसद को अंदर जाने दिया गया। नड्डा जबलपुर में संभागीय स्तर के पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक ले रहे हैं। सांसद सुमित्रा बाल्मिक ने कहा कि मेरा चश्मा टूट गया। मेरे कार्यकर्ता उत्साहित थे।

# बुलंदशहर में सड़क हादसे में 10 श्रद्धालुओं की मौत

### कंटेनर ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, गर्भवती पत्नी को पति के मौत की खबर नहीं दी

**बुलंदशहर।** यूपी के बुलंदशहर में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को कंटेनर ने पीछे से टक्कर मार दी। इससे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। हादसे में मां बेटे सहित 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई।

3 श्रद्धालुओं का इलाज चल रहा है। बाकी सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। मृतकों में 6 साल बच्चा, 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल हैं। हादसा रविवार रात 2 बजे नेशनल हाईवे 34 पर अरनिया क्षेत्र के घटाल गांव के पास हुआ। श्रद्धालु कासगंज से जाहरबीर (गोगाजी) के दर्शन के लिए राजस्थान के गोगामेड़ी जा रहे थे।

पुलिस का कहना है कि श्रद्धालुओं ने ट्रॉली को डबल डेकर बना दिया था। ट्रॉली के बीच में लकड़ी लगाकर उसे दो हिस्सों में बांट दिया गया था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बैठ सकें। मृतक विकास की गर्भवती पत्नी को हादसे के बारे में नहीं बताया गया है। मुख्यमंत्री ने हादसे में मृतक के परिवारों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। सभी शवों को पीएम के बाद गांव भेज दिया गया।

योगमार्ग पर रफातपुर गांव के रहने वाले 5 लोगों का अंतिम संस्कार भी शाम को कर दिया गया।

हादसे की सूचना मिलते ही डीएम श्रुति और एसएसपी दिनेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए। एसएसपी ने बताया- 10 घायलों को बुलंदशहर जिला अस्पताल में और 23 को खुर्जा अस्पताल में भर्ती किया गया है।

10 घायलों को अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। कंटेनर का ड्राइवर फरार हो गया। कंटेनर में धान की भूसी भरी थी।

हाईवे से ट्रैक्टर को हटाकर यातायात फिर से चालू करा दिया गया है। घटना की सूचना पर प्रभारी मंत्री अरुण सक्सेना अस्पताल पहुंचे। डीएम-एसएसपी से घटना की जानकारी ली।

# दिल्ली मेट्रो का सफर हुआ महंगा

## डीएमआरसी ने 1 से 5 तक किराए में बढ़ोतरी की, सबसे अधिक दूरी के लगेंगे 64

**नई दिल्ली।** दिल्ली मेट्रो का सफर आज यानी कि 25 अगस्त से महंगा हो गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने किराए में बढ़ोतरी का ऐलान किया है।

डीएमआरसी ने 1 से 5 तक किराए में बढ़ोतरी की है। वहीं, सामान्य रूट पर 1 से 4 तक किराया बढ़ाया गया है। वहीं, 32 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय करने वाले यात्रियों के लिए अब किराया 60 से बढ़कर 64 कर दिया गया है। दूरी के अनुसार तय होगा नया किराया डीएमआरसी ने 8 साल बाद ये किराया बढ़ाया गया है।

इससे पहले 2017 में किराए में बढ़ोतरी की गई थी। नया किराया दूरी के अनुसार तय होगा। इसके तहत अब सबसे कम किराया 11, होगा जबकि सबसे अधिक 4 है। पहले सामान्य लाइन पर सबसे कम किराया 10 और सबसे अधिक 60 था।

### छुट्टियों और रविवार के लिए भी किराए में बदलाव

रविवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में, दिल्ली मेट्रो के किराए में भी फेरबदल किया गया है। अब 2 किमी तक की छोटी यात्राओं के लिए न्यूनतम किराया 10 से बढ़ाकर 11 कर दिया गया है, जबकि 5-12 किमी की दूरी के लिए किराया 20 से बढ़ाकर 21 कर दिया गया है। 12-21 किमी की यात्रा के लिए अब 30 की बजाय 32 देने होंगे, और 21-32 किमी की दूरी के लिए किराया 40 से बढ़ाकर 43 कर दिया गया है। 32 किमी से अधिक लंबी दूरी के लिए, किराया 50 से बढ़ाकर 54 कर दिया गया है।

### सबसे ज्यादा दूरी के लगेंगे 64 रुपए

डीएमआरसी के मुताबिक, 2 किलोमीटर तक की सबसे छोटी यात्रा का किराया 10 से बढ़कर 11 हो गया है। ढाई किमी के सफर के लिए अब 20 की बजाय 21 देने होंगे। जबकि 12 किलोमीटर तक की यात्रा के लिए 30 से बढ़ाकर 32 कर दिया गया है। 12-21 किलोमीटर की यात्रा के लिए अब 43 देने होंगे, यह किराया पहले 40 था। इसके अलावा 21-32 किलोमीटर की यात्रा के लिए 50 से बढ़कर 54 कर दिया गया है। एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर अधिकतम 5 की बढ़ोतरी की गई है।

## दिल्ली सीएम की जेड सिक्योरिटी वापस ली गई

**नई दिल्ली।** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को दी गई जेड प्लस सिक्योरिटी सोमवार को हटा ली गई। 4 दिन पहले उन पर हमले के बाद यह सिक्योरिटी दी गई थी। यह फैसला वापस क्यों लिया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। अब फिर से उनकी सुरक्षा की जिम्मेदार दिल्ली पुलिस को सौंपी गई है। इधर, सीएम रेखा पर हमले के मामले में रविवार को दूसरी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी राजेशभाई खीमजीभाई सकरिया के सहयोगी तहसीन सैयद को अरेस्ट किया गया है। दिल्ली सीएम आवास में 20 अगस्त की सुबह जनसुनवाई के दौरान रेखा गुप्ता पर हमला हुआ था। शिकायतकर्ता बनकर पहुंचे राजेश ने सीएम को कागज देते समय उनका हाथ खींचा था। हमले में रेखा के हाथ-कंधे, सिर पर चोटें आईं थीं।

# पीएम मोदी की डीयू की डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी

## दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश पलटा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैचलर डिग्री सार्वजनिक नहीं होगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को केंद्रीय सूचना आयोग का आदेश पलट दिया। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता ने सोमवार को दिल्ली यूनिवर्सिटी की याचिका पर अपना फैसला सुनाया। कोर्ट कहा कि विश्वविद्यालय डिग्री दिखाने के लिए बाध्य नहीं है।

दरअसल, सीआईसी ने 2016 में एक आरटीआई एक्टिविस्ट की याचिका पर दिल्ली यूनिवर्सिटी को 1978 में बीए की परीक्षा पास करने वाले सभी छात्रों के रिकॉर्ड सार्वजनिक करने का आदेश दिया था।

पीएम मोदी ने भी इसी साल परीक्षा पास की थी। आरटीआई एक्टिविस्ट की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट संजय हेगड़े ने दलील दी- जो जानकारी मांगी गई है, वह हर विश्वविद्यालय सार्वजनिक करता है। इसे अक्सर नोटिस बोर्ड पर, विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर और कई बार अखबारों में भी छापा जाता है।

इधर, डीयू की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा और कहा कि महज जिज्ञासा को आरटीआई के जरिए सूचना मांगने का आधार नहीं मान सकते हैं।

## हैप्पी मॉर्निंग

साली- पत्नियां कभी पति से पहले भोजन क्यों नहीं करतीं?
जीजा- जैसे वैज्ञानिक जब भी कभी कोई दवा बनाते हैं, तो पहले चूहों और बंदरों पर परीक्षण करते हैं उसी तरह पत्नियां भी पति को पहले भोजन कराकर ये परीक्षण करती हैं....

## शायरी

**बड़ी होने को हैं ये मूरतें आँगन में मिट्टी की**
**बहुत से काम बाक़ी हैं सँभाला ले लिया जाये**

## अर्थसार

सेंसेक्स:
81,635.91
+329.05 (0.40%)
निफ्टी:
24,967.75
+97.65

## मौसम

अधिकतम : 30 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय बुधवार : 5 : 57
सूर्यास्त मंगलवार : 6 : 58

# ड्रीम-11 ने टीम इंडिया की स्पॉन्सरशिप छोड़ी

### 358 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट तोड़ा; बीसीसीआई बोला- अब किसी ऑनलाइन गेमिंग कंपनी के साथ नहीं जुड़ेंगे

**मुंबई।** एशिया कप 2025 से पहले ड्रीम-11 ने भारतीय क्रिकेट टीम के लीड स्पॉन्सर से हटने का फैसला किया है। बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया ने सोमवार (25 अगस्त) को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने कहा- ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने वाला बिल पास हो गया है। लिहाजा बीसीसीआई और ड्रीम-11 अब साथ नहीं रहेंगे। बीसीसीआई भविष्य में ऐसी किसी भी (ऑनलाइन गेमिंग) कंपनी के साथ नहीं जुड़ेगा।

बिल में ड्रीम-11 जैसे रियल-मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म्स को बैन किया गया है। ड्रीम-11 ने 2023 में बीसीसीआई के साथ 358 करोड़ रुपए में तीन साल का स्पॉन्सरशिप कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था।

### 2026 में खत्म होना था कॉन्ट्रैक्ट, तीन बड़ी बातें

ड्रीम 11 इस डील के तहत बीसीसीआई को हर घरेलू मैच के लिए 3 करोड़ रुपए देता था।

विदेशों में खेले गए हर मैच के लिए बीसीसीआई को 1 करोड़ रुपए मिलते थे। कॉन्ट्रैक्ट खत्म होने के बाद बीसीसीआई अब नए स्पॉन्सर के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू करेगा।

### लुधियाना में श्रीगुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी

**लुधियाना।** पंजाब के लुधियाना के श्री गुरुद्वारा साहिब में बेअदबी की घटना सामने आई है। एक महिला ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष अपने कपड़े उतारकर फेंक दिए। वहां अरदास करने पहुंचे लोगों ने किसी तरह उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं मानी और हंगामा करती रही। इसके बाद संगत ने मौके पर जाकर महिला को काबू किया। महिला ने यह हरकत अपने पति के सामने की। घटना श्री गुरुद्वारा साहिब में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

# हरियाणा के यूईआर-2 एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली शुरू

## सिंगल साइड के 235 से 2260 रुपए चुकाने होंगे; मासिक पास 50 हजार रुपए तक का

**गुरुग्राम।** हरियाणा में बने अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-2) के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने टोल रेट की लिस्ट जारी कर दी है। इस एक्सप्रेसवे से गुजरने पर 235 से 2260 रुपए तक का टोल चुकाना होगा। इसके अलावा मासिक पास 50 हजार तक का है।

इसके अलावा टोल प्लाजा के 20 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को गाड़ियों के लिए 350 रुपए का पास लेना होगा। यह टोल प्लाजा मुंडका-बक्करवाला में बनाया गया है। यह टोल एक्सप्रेसवे के 46 किमी हिस्से से गुजरने के बदले देना होगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के रोहिणी से 17 अगस्त को द्वारका एक्सप्रेसवे के साथ इसका उद्घाटन किया था। टोल की वसूली का जिम्मा रिद्दी कंपनी को दिया गया है। इस बारे में कंपनी के अधिकारियों से बात की गई तो उनका कहना था कि यूईआर 2 महत्वपूर्ण परियोजना है। जिसके निर्माण में 7,700 करोड़ रुपए की लागत आई है। इसके रखरखाव में भी बड़ा खर्चा होगा। इस वजह से टोल की दरें ज्यादा हैं।

## स्कूल भर्ती घोटाले में टीएमसी विधायक गिरफ्तार

**कोलकाता।** प्रवर्तन निदेशालयने सोमवार को स्कूल भर्ती घोटाले मामले में टीएमसी विधायक जीवन कृष्ण साहा को गिरफ्तार कर लिया। ईडी की टीम रेड के लिए पहुंची थी, लेकिन विधायक को इसकी जानकारी मिल गई। वे रेड के पहले दीवार फांदकर भागने की कोशिश करने लगे। इस दौरान साहा ने मोबाइल फोन भी नाले में फेंक दिया, जिसे ईडी ने बरामद कर लिया है। विधायक की गिरफ्तारी के समय की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। एक फोटो में कीचड़ में सने नजर आ रहे हैं। साहा मुर्शिदाबाद के बुरवान से विधायक हैं। ईडी की तरफ से दर्ज किए गए मनी लॉन्ड्रिंग केस में टीएमसी विधायक साहा, उनके रिश्तेदार और सहयोगी आरोपी हैं। साहा को विशेष अदालत में पेश किया जाएगा और आगे की जांच के लिए उनकी हिरासत मांगी जाएगी।

# नूंह में गौ तस्करों के ठिकानों पर पुलिस की रेड

## 320 किलो गोमांस बरामद, बाइकों से करते थे होम डिलीवरी, फरार हुए

**नूंह।** हरियाणा के नूंह जिले में गोकशी के मामले लगातार सामने आ रहे है। पुलिस भी लगातार गौ तस्करों पर कार्रवाई करने के जुटी हुई है। इसी कड़ी में सीएस स्टाफ नूंह की टीम ने गांव मेवली में गौ तस्करों के ठिकानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में गोमांस बरामद किया हैं। आरोपी गांव से बाहर जंगलों में गोकशी कर गोमांस के छोटे-छोटे टुकड़े कर रहे थे। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से भागने में कामयाब हो गए। आंकेड़ा थाना पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी गोमांस की आस पास के इलाकों में होम डिलीवरी करते थे।

**सड़क हादसा** | एक बाइक पर सवार चारों लड़के हेलमेट नहीं लगाए थे; सड़क पर लाशें बिखरीं

# ग्रेटर नोएडा में सड़क हादसा, 4 दोस्तों की मौके पर मौत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में सोमवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। कार और बाइक की टक्कर में 4 दोस्तों की मौत हो गई। चारों एक ही बाइक पर सवार थे और हेलमेट भी नहीं लगाए थे।

कार से टक्कर होते ही चारों की लाशें सड़क पर ही बिखर गईं। हादसा थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के ग्राम कुलेसरा पुस्ता रोड पर हुआ।

टीवीएस राइडर बाइक से सुमित, लवकुश, रिहान और मोनू ठाकुर जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही वैगनआर कार (यूपी 16 सीआर 3293) से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में चारों लड़के गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान सभी की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 16 से 18 साल के बीच थी। सुमित और लवकुश दोनों सगे भाई हैं। जबकि, रिहान और मोनू ठाकुर एक फैक्ट्री में काम करते हैं।

पुलिस ने कार को कब्जे में लेकर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मौके पर मृतकों के घरवाले मौजूद हैं। पुलिस घरवालों की शिकायत पर आगे की कार्रवाई कर रही है। चारों लड़कों के परिवारवालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

### चारों रील बनाने जा रहे थे

रिहान और मोनू हबीबपुर में एक फैक्ट्री में काम करते थे। वहीं, सुमित और लवकुश 8वीं के स्टूडेंट थे। उनके पिता एक कंपनी में काम करते हैं। चारों दोस्त अक्सर रील बनाने के लिए पुश्ता रोड की तरफ जाते थे। माना जा रहा है कि आज भी रील बनाने के लिए ही चारों बाइस से वहां गए थे। लौटते समय हादसा हो गया।

### उछलकर सड़क पर गिरे चारों दोस्त

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चारों लड़के एक ही बाइक पर सवार थे। बाइक चला रहा लड़का हेलमेट भी नहीं लगाए था। बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। सामने से आ रही कार की भी रफ्तार भी तेज थी। दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही चारों लड़के उछलकर दूर सड़क पर जा गिरे। सभी को अस्पताल ले जाया गया, जहां चारों की मौत हो गई।

डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया- थाना ईकोटेक क्षेत्र में कार और बाइक की भिड़ंत हो गई। इसमें 4 दोस्तों की मौत हो गई है। कार चालक को हिरासत में लिया गया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

# हिमाचल में पंजाब के 3 युवाओं की मौत

### मणिमहेश यात्रा में ऑक्सीजन की कमी से गई जान; इनमें 2 पठानकोट, एक गुरदासपुर का

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के मणिमहेश में बीती रात में दो और आज सुबह एक श्रद्धालु की मौत हो गई। तीनों श्रद्धालुओं की जान मणिमहेश यात्रा के दौरान ऑक्सीजन की कमी से गई है। इनके शव पोस्टमॉर्टम के लिए भरमौर लाया जा रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मृतकों की पहचान पंजाब के पठानकोट के अमन (18), रोहित (18) और गुरुदासपुर के अनमोल (26) के तौर पर हुई है। अमन और रोहित के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद भरमौर में पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपे जाएंगे। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, अमन को बीती रात को कमल कुंड से रेस्क्यू किया गया और गौरीकुंड में मौत हो गई, जबकि रोहित की मौत कुगती ट्रैक पर ऑक्सीजन की कमी से हुई है। वहीं अनमोल की मौत धंचो में आज सुबह 10 बजे हुई। माउंट ट्रेनिंग और एनडीआरएफ की टीम दोनों के शवों को भरमौर ला रही है। एसडीएम भरमौर कुलबीर सिंह राणा ने बताया कि बीती रात और आज सुबह 3 श्रद्धालुओं की जान गई है। तीनों पंजाब के रहने वाले है।

# संपादकीय

## 'हनुमान पहले अंतरिक्ष यात्री और गोमूत्र अमृत - विज्ञान की नई परिभाषा'

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

### शिक्षा का मंच और अंधभक्ति की क्लास

देश के बच्चों को विज्ञान और तर्क की शिक्षा देने की बजाय नेता पौराणिक कल्पनाओं का झोला लेकर स्कूलों में पहुँच रहे हैं। हालिया बयान सुनिए 'हनुमान जी पहले अंतरिक्ष यात्री थे।'

वाह! अब शायद NASA और ISRO के वैज्ञानिक भी हनुमान चालीसा पढ़कर रॉकेट छोड़ने की तैयारी करें।

पर सोचने वाली बात यह है कि जिस पार्टी का मुखिया खुद को 'नॉनबायोलॉजिकल' कहता है, वहां नेताओं का ऐसे गधे जैसे बयान देना कोई आश्चर्य नहीं। उनके बच्चे विदेशों की यूनिवर्सिटी में आधुनिक विज्ञान पढ़ते हैं, और भारत के बच्चों को पढ़ाया जाता है — 'हनुमान जी स्पेस साइंटिस्ट थे।'

### दोगलापन भी इससे ज़्यादा क्या होगा?

**सूरज को निगलना और चूहे की सवारी**
**नेताओं और कट्टरपंथियों का विज्ञान कुछ ऐसा है :**

- सूरज ग्रहण इसलिए होता है क्योंकि राहु–केतु निगल जाते हैं।
- हनुमान जी बचपन में सूरज को फल समझकर खा गए।

जबकि सच यह है कि सूरज का व्यास लगभग 14 लाख किलोमीटर है और उसका तापमान करोड़ों डिग्री सेल्सियस है। इसे 'फल' कहना बच्चों की वैज्ञानिक समझ का मज़ाक उड़ाना है।

- गणेश जी प्लास्टिक सर्जरी की पहली मिसाल हैं।
- गणेश जी दुनिया की सैर चूहे पर बैठकर करते थे।

### 21वीं सदी का विज्ञान कहता है –

ग्रहण धरती–चंद्रमा–सूर्य की खगोलीय स्थिति से होता है,
प्लास्टिक सर्जरी आधुनिक मेडिकल साइंस की देन है,
और चूहा तो प्लेग जैसी बीमारियाँ फैलाने का वाहक है।
पर नेताओं को इससे क्या? उन्हें तो बच्चों को पौराणिक प्रयोगशाला में कैद रखना है।

### गोमूत्र और प्रसाद का विज्ञान

कभी कहा जाता है — 'गोमूत्र अमृत है।'
तो सवाल है- अगर यह इतना पवित्र है तो मंदिरों में इसे प्रसाद की तरह क्यों नहीं चढ़ाया जाता?
अगर यह इतना औषधीय है तो नेता अपने इलाज के लिए लंदन, अमेरिका और सिंगापुर क्यों भागते हैं?
क्या कारण है कि इन नेताओं के परिवार वाले कभी लंदन में कैंसर का इलाज करवाते हैं लेकिन जनता को काढ़ा और गोमूत्र पिलाते हैं?
जनता को गोमूत्र और खुद को एम्स व अपोलो — यही है असली राजनीति का विज्ञान।

### मुस्लिम समाज की कट्टरता भी कम नहीं

यह बात सिर्फ़ हिंदू समाज तक सीमित नहीं।
मुस्लिम समाज में भी कट्टरपंथ उतना ही ज़हरीला है।

- औरत को परदे और ताले में कैद करना 'इज़्ज़त' कहलाता है।
- तीन तलाक़ की तलवार से औरत को खिलौना बना दिया गया।
- बीमारी पर इलाज की बजाय मौलाना की दुआ और ताबीज़ बाँटा गया।

पोलियो ड्रॉप्स जैसी वैज्ञानिक दवाओं को भी 'हराम' बता देना उतना ही घातक है जितना गोमूत्र को अमृत कहना।
अगर यही सच है तो अस्पताल क्यों? मेडिकल कॉलेज क्यों? रिसर्च क्यों?

### असली खेल

असलियत यह है कि सत्ता और धर्मगुरुओं को जनता को अंधविश्वास में उलझाए रखना है।
क्योंकि अगर जनता सवाल पूछेगी तो सामने आएगा —

- बेरोज़गारी,
- महंगाई,
- शिक्षा की गिरती हालत,
- अस्पतालों की कमी।

इसलिए मंचों से उड़ती हैं ऐसी बातें —
कभी हनुमान अंतरिक्ष यात्री,
कभी गोमूत्र अमृत,
कभी तीन तलाक़ 'धर्म का हक़'।

### निष्कर्ष

रामायण और कुरान हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं, लेकिन इन्हें विज्ञान का विकल्प बनाना अगली पीढ़ी के साथ धोखा है।
हमारे बच्चों को चाहिए लैब, रिसर्च और आधुनिक शिक्षा —
ना कि 'चूहे की सवारी' और 'राहु–केतु की खगोलशाला'।

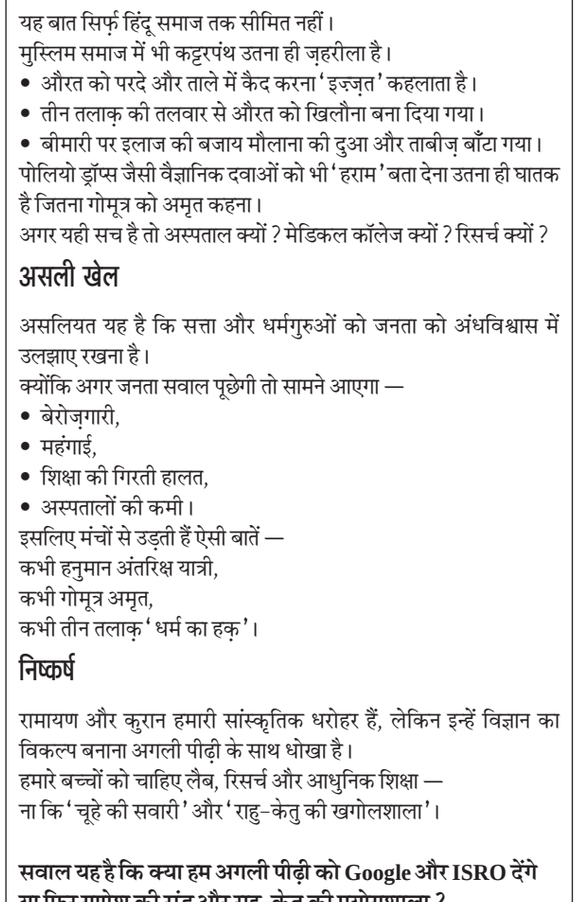

**सवाल यह है कि क्या हम अगली पीढ़ी को Google और ISRO देंगे या फिर गणेश की सूंड और राहु–केतु की प्रयोगशाला?**

# भारत चाहता है यह युद्ध का नहीं, शांति का दौर बने

-ललित गर्ग-



दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस–यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति–अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। ज़ेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार–बार कहा है–'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है–'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस–यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान–इजरायल, इजरायल–हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल–पुथल–भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी–20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग–शांति–सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा–卐अहिंसा परमो धर्मः卐। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस–यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी–20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा–'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था–दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

आज, जब रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण पश्चिमी देश और रूस आमने–सामने खड़े हैं, भारत ने उसी गुटनिरपेक्ष दृष्टिकोण को अपनाया है। भारत न तो रूस के पक्ष में खड़ा हुआ है और न ही अंधाधुंध रूप से पश्चिम का समर्थन कर रहा है। उसने संवाद और कूटनीति को ही एकमात्र रास्ता बताया है। यही भारत की 'अयुद्ध नीति' है–जहां किसी से शत्रुता नहीं, बल्कि सबके साथ संतुलित संबंध रखकर शांति के लिए काम करना है।

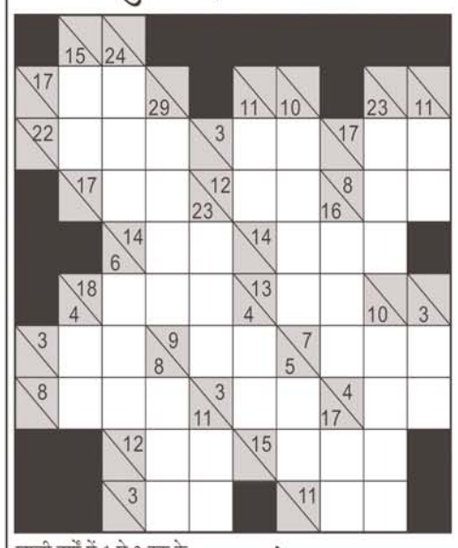

भारत ने अमेरिकी और यूरोपीय दबाव के बावजूद कभी भी केवल एक पक्ष का समर्थन नहीं किया। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। अमेरिका और पश्चिमी देश चाहते थे कि भारत खुले रूप से रूस की निंदा करे और उस पर प्रतिबंध लगाए। किंतु भारत ने साफ कहा कि उसका दृष्टिकोण 'तटस्थ' ही नहीं, बल्कि 'शांति–उन्मुख' है। भारत का लक्ष्य किसी के खिलाफ खड़ा होना नहीं, बल्कि सबको शांति की राह पर लाना है। यही कारण है कि रूस और यूक्रेन, दोनों भारत पर भरोसा करते हैं। दोनों मानते हैं कि भारत बिना पूर्वाग्रह के समाधान का मार्ग खोज सकता है।

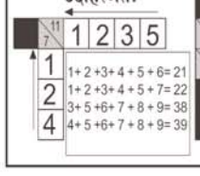

# टाईम पास

## काकुरो पहेली - 3631



खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:




काकुरो - 3630 का हल



## लॉफिंग जौंन

एक घर से पति–पत्नी के हँसने की कुछ ज्यादा ही आवाजें आती रहती थीं। मोहल्ले के कई लोग एकत्र होकर उनके यहाँ खुशहाली का राज जानने को पहुँचे।

मोहल्ले वालों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पति बोला– बहुत सरल है, हमारे यहाँ मेरी बीबी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं...! अगर मुझे लग जाता है तो वो हँसती और नहीं लगता है तो मैं हँसता हूँ।

□ □ □

एक बार रीमा बन–ठनकर पिक्चर देखने जा रही थी। तभी एक सहेली मिल गई। रीमा का ठाठ–बाट देखकर बोली– 'अ...हा...आ हाथों में हीरों की चूड़ियाँ, कानों में हीरे के टॉप्स, गले में हीरों का हार, यह बनारसी साड़ी क्यों, क्या तुम्हारे पति ने नौकरी कर ली है?'

रीमा बोली– 'नहीं गीता, मैंने पति बदल लिया है।'

□ □ □

चमन (नरेश से)– सुना है तुमने एक उपन्यास लिखा है?

नरेश– हाँ! एक बहुत अच्छा उपन्यास लिखा तो है।

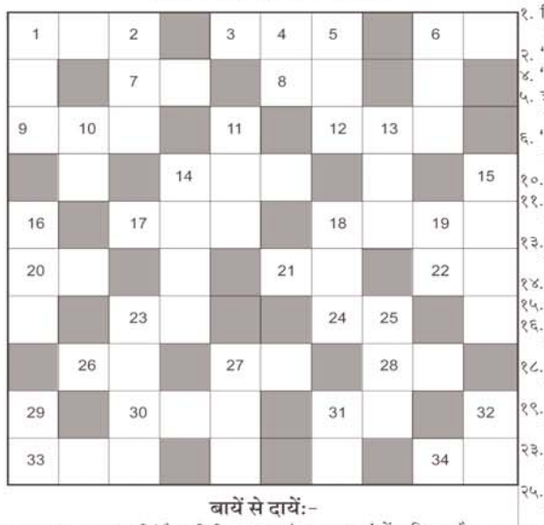

चमन– कुछ बिके भी है?

नरेश– हाँ, बिके है न..। इस उपन्यास को प्रकाशित करने में मेरी अँगूठी, स्कूटर, बीवी की चूड़ियाँ और मंगलसूत्र जैसी कई चीजें बिक गई है।

□ □ □

## फिल्म वर्ग पहेली - 3631



**बायें से दायें:-**

१. सलमान, आयशा की 'बैठा नीली झील किनारे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी की फिल्म-३
६. जीतेंद्र, रीना, रामेश्वरी की 'तूने मुझे बुलाया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जब भी ये दिल उदास' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली आशा पारेख, सुनील दत्त की फिल्म-२
९. फिल्म 'कसक' की नायिका कौन थी-३
१२. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, परवीन की 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
१८. हिंदी फिल्मों का पहला 'ही-मैन' किसे कहा जाता है-४
२०. 'छुपा रूस्तम' में नायिका कौन -२
२१. फिल्म 'अंत' में नायिका कौन थी-२
२२. अजय देवगन, ट्विंकल की 'मेरे सीने में तेरा' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'दर्दे दिल दर्दे जिगर' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'चाइना टाउन' के संगीतकार कौन-२
२६. 'कभी खुशी कभी गम' में अमिताभ की पत्नी की भूमिका किसने की है-२
२७. 'फूल और काँटे' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-२
२८. 'नी मैं यार मनाना नी' गीत वाली राजेश, राखी, शर्मिला की फिल्म-२
३०. राजकुमार, राजेश, माला की 'गुस्सा इतना हसीन' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'मनोरंजन' में शम्मी व संजीव कुमार के साथ नायिका कौन थी-३
३४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. फिरोज खान, जीनत की 'हम तुम्हें चाहते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कभी-कभी' में ऋषि की नायिका -३
४. 'बंदिश' में जैकी की नायिका-२
५. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ऐसे मिली निगाहें' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१०. 'मोहे छेड़ो ना' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
१३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'मय से मीना से ना' गीतवाली फिल्म-४
१५. 'कसम से तेरी आँखें' गीतवाली फिल्म-४
१६. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१८. अमिताभ, विनोद, सायरा की 'तुम भी चलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'फूल माँगू ना बहार' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
२३. 'उधर से जो तुमको मिले फुरसत' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'देखो देखो जी, ये है मेरी' गीत वाली जीतेंद्र, लीना की फिल्म-३
२७ रंजन, चित्रा, जयश्री की 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तदबीर से बिगड़ी हुई' गीतवाली फिल्म-२
३१. गोविंदा, जूही की 'आ जाना जरा' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीतवाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3630



## सूडोकु -3631

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | | | 3 | | | 8 | 7 |
| 8 | 7 | | 1 | | 5 | | | |
| | | 2 | | | 9 | | | 4 |
| | 6 | | | | 2 | | 3 | 5 |
| 3 | 8 | | 4 | 1 | 7 | | 2 | 9 |
| 2 | 4 | | 6 | | | | 1 | |
| 7 | | | 3 | | | 8 | | |
| | | | 5 | | 8 | | 7 | 3 |
| 9 | 3 | | | 2 | | | 6 | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3630 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 4 | 8 | 3 | 9 | 2 | 1 | 5 | 6 |
| 2 | 6 | 9 | 5 | 7 | 1 | 8 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 5 | 4 | 8 | 6 | 7 | 2 | 9 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 6 | 9 | 3 | 1 | 2 |
| 8 | 9 | 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 7 | 5 |
| 6 | 3 | 2 | 1 | 5 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 7 | 6 | 2 | 5 | 9 | 3 | 1 |
| 9 | 2 | 6 | 7 | 1 | 3 | 5 | 8 | 4 |
| 1 | 5 | 3 | 9 | 4 | 8 | 2 | 6 | 7 |

## शब्द पहेली - 3631



**बाएँ से दाएँ**

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

**ऊपर से नीचे**

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3630 का हल

# नोएडा प्राधिकरण की नई बिल्डिंग का 96 प्रतिशत काम पूरा

### सितंबर से नए भवन में शिफ्ट होगा, 300 करोड़ रुपए किए गए खर्च

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अपने नए कार्यालय में शिफ्ट होने जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, सितंबर से यहां कामकाज शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि पूरी शिफ्टिंग प्रक्रिया में करीब दो से तीन महीने का समय लगेगा। धीरे-धीरे क्षेत्रीय कार्यालय और अन्य विभाग भी इसी भवन में स्थानांतरित होंगे।

24 हजार वर्गमीटर जमीन पर बनने वाले इस प्रशासनिक भवन का 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। अब केवल इंटीरियर और फर्नीचर से जुड़ा काम बचा है। प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि लोगों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए पहले ही एक्सप्रेसवे से जोड़ते हुए एक अंडरपास बना दिया गया है। इससे आने-जाने वालों को दिक्कत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

#### कंपनी को किया ब्लैक लिस्ट

इस इमारत का निर्माण कार्य काफी समय से अटका हुआ था। प्राधिकरण ने शुरुआत में यह काम प्रतिभा इंडस्ट्री लिमिटेड को सौंपा था और शर्त थी कि यह परियोजना 2019 तक पूरी कर दी जाए। तीन बार एक्सटेंशन देने के बावजूद निर्माण की रफ्तार बेहद धीमी रही। आखिरकार प्राधिकरण ने कंपनी को ब्लैकलिस्ट कर दिया। उस समय तक 231.91 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना पर करीब 116.05 करोड़ रुपए खर्च हो चुके थे।

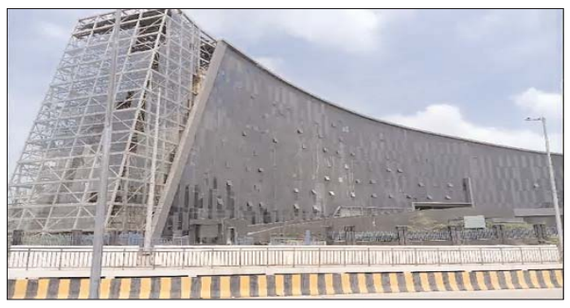

#### 2 साल तक बंद रहा काम

ब्लैकलिस्ट होने के बाद करीब दो साल तक काम पूरी तरह ठप रहा। इससे प्राधिकरण का नया भवन अधूरा ही खड़ा रहा और दफ्तर पुराने स्थान से ही संचालित होते रहे। अक्टूबर 2022 में दोबारा से टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई और नया ठेका एसटी कंस्ट्रक्शन को दिया गया।

#### 92 करोड़ में पूरा हो रहा बचा काम

11 अक्टूबर 2022 को नोएडा प्राधिकरण और एसटी कंस्ट्रक्शन के बीच एग्रीमेंट साइन हुआ। कंपनी ने अधूरे पड़े काम को 92 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से पूरा करने की जिम्मेदारी ली। इसके बाद काम तेजी से आगे बढ़ा और अब इमारत लगभग तैयार हो चुकी है।

#### अब जानते है क्या इमारत में

परियोजना का निर्माण 24 हजार वर्गमीटर किया जा रहा है।
इसमें दो टावर बनाए जा रहे है।
पहला टावर ग्राउंड और उसके ऊपर तीन मंजिल का होगा। यानी 4 मंजिल की बिल्डिंग होगी। पहले ये बिल्डिंग 18 मंजिल की बनने वाली थी।
इसका एरिया 11 हजार 340 वर्गमीटर है।
दूसरा टावर ग्राउंड और 7 फ्लोर मिलाकर कुल आठ फ्लोर का होगा।
कुल कवर्ड एरिया 14 हजार 840 वर्गमीटर का होगा।
ऑडिटोरियम 1780 वर्गमीटर क्षमता 488 नग।
प्रथम बेसमेंट पार्किंग 19678 वर्गमीटर
सेकेंड बेसमेंट पार्किंग 19678 वर्गमीटर
परियोजना का कुल बजट 303.92 करोड़ है।
सिविल कार्य के लिए 231.11 करोड खर्च होंगे।
विद्युत के लिए 72.81 करोड़ खर्च होंगे।
इन क्षेत्रीय ऑफिसों को शिफ्ट किया जाएगा।

#### सेक्टर-19 सिविल और मेनटेनेंस

सेक्टर-39 इलेक्ट्रिकल और मेनटेनेंस विभाग
सेक्टर-20 सर्किल ऑफिस
सेक्टर-5 जल खंड और बाह्य एजेंसी
सेक्टर-6 मुख्य प्रशासनिक खंड का कार्यालयसेक्टर-39 जन खंड के अन्य ऑफिस

# निक्की हत्याकांड में सास-ससुर समेत 4 गिरफ्तार

## जब पीड़िता को जिंदा जलाया तो पति बाहर था, सीसीटीवी से उलझी पुलिस

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के निक्की हत्याकांड में पुलिस ने फरार चल रहे जेठ और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। कासना थाने की पुलिस ने सोमवार सुबह जेठ रोहित भाटी और ससुर सतवीर को सिरसा टोल और चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी विवाहिता निक्की को जिंदा जलाए जाने के बाद से ही फरार थे।

पुलिस ने मामले में रविवार को आरोपी पति विपिन और सास दया को गिरफ्तार किया था। पति को पुलिस ने एनकाउंटर के दौरान पैर में गोली मारकर पकड़ा था। घटना ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में 21 अगस्त को हुई। इसका वीडियो शनिवार को सामने आया था।

हत्याकांड की जांच में जुटी पुलिस के हाथ दो वीडियो भी लगे हैं। पहले वीडियो में दिख रहा कि जिस समय निक्की को जिंदा जलाया गया, तब विपिन घर में मौजूद नहीं था। इसे लेकर सवाल खड़ा हो रहा कि आखिर निक्की को किसने जिंदा जलाया। वहीं, दूसरा वीडियो 2024 का है। इसमें विपिन कार में एक लड़की के साथ

पकड़ा गया। पुलिस अब दोनों वीडियो की जांच में जुटी है।

#### निक्की और भाभी के रील बनाने से चिढ़ता था विपिन

पुलिस की जांच में सामने आया है कि विपिन घर में निक्की के बुटीक व भाभी कंचन के ब्यूटी पार्लर चालने से नाखुश था। उसे दोनों बहनों का इंस्टाग्राम चलाना पसंद नहीं था। आरोपी आए दिन निक्की से लड़ता था।नोएडा के रूपबास गांव निवासी राज सिंह ने दिसंबर 2016 में अपनी भतीजी कंचन और निक्की की शादी सिरसा गांव के रहने वाले रोहित और विपिन से की थी।

राज सिंह ने बताया कि शादी में स्कॉर्पियो गाड़ी समेत हैसियत से बढ़कर दान-दहेज दिया था। इसके बाद ससुराल वाले 35 लाख रुपए की डिमांड करने लगे।

दोनों भतीजियों के साथ ससुराल के लोग मारपीट करते थे। कई बार पंचायत हुई, लेकिन आरोपी दहेज की मांग पर अड़े रहे। अब भतीजी निक्की की जान ले ली गई।

# चलती कार में लगी आग

### ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, 20 मिनट में फायर बिग्रेड ने पाया काबू

**नोएडा।** नोएडा के सेक्टर-64 में रविवार को एक चलती कार में अचानक से आग लग गई। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत कार को साइड में लगाया और कूदकर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं आई।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। थोड़ी ही देर में दमकल की दो गाड़ियां पहुंचीं और करीब 20 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान किसी तरह की अफरातफरी न हो, इसके लिए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक को डायवर्ट कर दिया।

#### पूरी तरह जलकर राख हुई कार

चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग इतनी भीषण थी कि पूरी कार जलकर राख हो गई। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, जिस समय कार में आग लगी, आसपास से कई लोग गुजर रहे थे।

#### शॉर्ट सर्किट हो सकती है वजह

शुरुआती जांच में कार में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। हालांकि दमकल विभाग और पुलिस इसकी तकनीकी जांच कर रही है, जिससे सही कारणों का पता लगाया जा सके।

कार में आग लगते ही कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग घटनास्थल से दूर भागे और ट्रैफिक रोक दिया गया।

## शार्ट न्यूज

### 13 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का होगा आयोजन

**गौतम बुद्ध नगर।** उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ व जिला न्यायाधीश गौतम बुद्ध नगर मलखान सिंह के निर्देशों के क्रम में अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गौतम बुद्ध नगर चंद्र मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि 13/09/2025 को जनपद गौतमबुद्धनगर में मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेषत: आपराधिक शमनीय वाद, पारिवारिक मामले, मोटरयान दुर्घटना अधिनियम के मामले, बिजली व पानी से संबंधित मामले, धारा 138 एन.आई. एक्ट के वाद, भू-राजस्व वाद, सेवा सम्बन्धित मामले एवं प्री-लिटीगेशन मामलों के साथ-साथ सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण योग्य अन्य विवाद, जिनमें पक्षकार पारस्परिक सद्भावना के अधीन सन्धि हेतु इच्छुक हों, वे मामले राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किये जाएंगे।

### जिले में फुटबॉल और हॉकी ट्रायल संपन्न

**गौतम बुद्ध नगर।** जिला खेल कार्यालय गौतम बुद्ध नगर के वरिष्ठ प्रशिक्षक डॉ परवेज अली ने बताया कि जनपद में एस्टर पब्लिक स्कूल डेल्टा टू ग्रेटर नोएडा में आज जिला स्तरीय समन्वय सब जूनियर फुटबॉल बालक प्रतियोगिता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय सीनियर पुरुष हॉकी प्रतियोगिता का जिला स्तरीय ट्रायल संपन्न हुआ। चयन प्रक्रिया के दौरान प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आयोजित प्रतियोगिता में फुटबॉल में सुमित, युवान, अथर पुंडीर, वंश, यश त्यागी, आरव चौधरी, आर्यमन सिंह, यावर हबीब, अयान राय, आकाश, आरव सेशन एवं अरुण सेशन का चयन किया गया है। वहीं हॉकी में शिवम रावल, सुमित, लक्ष्य शर्मा, रुद्रांश भाटी, जितेश कुमार, शौर्य शर्मा, आर्यन सिंह एवं उज्जवल चौहान का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों के मंडल स्तरीय ट्रायल फुटबॉल के लिए 26 अगस्त 2025 को तोपखाना ग्राउंड मेरठ तथा हॉकी के लिए 27 अगस्त 2025 को कैलाश प्रकाश स्टेडियम मेरठ में प्रतियोगिता आयोजित किए जाएंगे। फुटबॉल खिलाड़ियों का चयन जिला सचिव वाजिद अली तथा हॉकी खिलाड़ियों का चयन नीरज द्वारा किया गया।

### ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में अतिक्रमण हटाया

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ पुलिस ने सोमवार को विशेष अभियान चलाया। रबूपुरा के नगर पंचायत क्षेत्र की मुख्य सड़कों से अतिक्रमण हटाया गया। एसीपी ट्रैफिक उमेश यादव के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। महाराणा प्रताप चौक, अस्पताल चौक और हीरी सिंह नगर से अवैध कब्जे हटाए गए। सड़कों पर गलत तरीके से खड़ी 15 से अधिक बाइक और चार पहिया वाहनों का चालान काटा गया। कोतवाली प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। अगले 5 दिनों में कस्बे के मुख्य बाजार और सड़कों से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे। अभियान के दौरान यातायात प्रभारी राजेंद्र दीक्षित, उप निरीक्षक हरेंद्र मालिक और बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा।

### 12वीं के छात्र ने की आत्महत्या

**ग्रेटर नोएडा।** ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-150 स्थित एक कॉमर्शियल बिल्डिंग से कूदकर 12वीं के छात्र ने जीवन समाप्त कर लिया। मृतक की पहचान कृष्व खत्री के रूप में हुई है। वह सेक्टर-137 की अजनारा डेफोडिल सोसाइटी में अपनी बुआ के साथ रहता था। रविवार देर रात बिल्डिंग के सिक्योरिटी सुपरवाइजर गौरव ने पुलिस को घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर छात्र का शव मिला। सिर के बल गिरने से उसका चेहरा और सिर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजनों ने पुलिस को बताया कि कृष्व मानसिक अवसाद से गुजर रहा था। उसके माता-पिता का काफी समय पहले तलाक हो चुका था। पिता ने दूसरी शादी कर ली थी। इन परिस्थितियों के कारण वह तनाव और अकेलेपन से जूझ रहा था। कोतवाली प्रभारी सर्वेश चंद्र के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। अभी तक किसी तरह की शिकायत दर्ज नहीं की गई है।

### 6.42 करोड़ रुपये के राजस्व की चोरी

**नोएडा।** सेक्टर-3 में पंजीकृत एक फर्जी कंपनी के जरिये 6 करोड़ 42 लाख की इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम कर सरकार को राजस्व का नुकसान पहुंचाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दस्तावेजों में हेर फेर कर कंपनी बना ली और धोखाधड़ी की वारदात को अंजाम दिया गया। राज्य कर सहायक आयुक्त ने कोतवाली फेज-1 में मुकदमा दर्ज कराया है। राज्य कर सहायक आयुक्त महेंद्र चौधरी ने पुलिस से शिकायत की है कि सेक्टर-3 में एक फर्जी कंपनी हनुमंत टेक्नो सोलर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से वर्ष 2022 में रजिस्टर्ड की गई। कंपनी में मध्य प्रदेश निवासी वाहिद हुसैन डायरेक्टर बना और राधे नामक एक व्यक्ति को नौकरी पर रखा। फर्जी कंपनी ने केवल कागजों पर काम किया और 30 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार दिखाया। इसके आधार पर 6 करोड़ 42 लाख रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट क्लेम किया। इससे सरकार को करोड़ों का नुकसान पहुंचाया गया।

### जिला अस्पताल में भीड़ बढ़ी

**नोएडा।** जिला अस्पताल में सोमवार को सामान्य दिनों की अपेक्षा अधिक भीड़ रही। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने स्वयं अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अस्पताल की फार्मेसी में सीएमएस ने खुद खड़े होकर देखा कि मरीजों को दवाइयां मिलने में कितना समय लग रहा है। फार्मेसी स्टाफ को निर्देशित किया गया कि दवा वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए और मरीजों को लंबा इंतजार न करना पड़े। सीएमएस डॉ अजय राणा ने ओपीडी से लेकर आपातकालीन विभाग तक जाकर स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने डॉक्टरों, स्टाफ नर्सों और अन्य सभी स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि वे मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर देखें, ताकि कोई भी मरीज अनदेखा न हो। दरअसल, ओपीडी में मौसमी बीमारी के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। खासतौर पर बुखार, सर्दी-खांसी और त्वचा संबंधी रोगों के मरीज अधिक संख्या में आ रहे हैं। सीएमएस ने यह भी कहा कि अस्पताल प्रशासन मरीजों की सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

### रंग बिरंगे फूलों और झालरों से सजेंगे गणपति के पंडाल

**नोएडा।** गणेश चतुर्थी का पर्व नजदीक आते ही शहर में माहौल भक्तिमय होने लगा है। सोसाइटियों में भगवान गणपति के स्वागत की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस बार आयोजन को और भी भव्य बनाने के लिए सोसाइटियों में आकर्षक पंडाल सजाए जा रहे हैं। पंडालों में रंग-बिरंगी लाइटिंग, सजावट और विभिन्न थीम पर आधारित मंच तैयार किए जा रहे हैं, जहां गणपति बप्पा विराजमान होंगे। सेक्टर 26 स्थित कालीबाड़ी मंदिर के परिसर में भी विशेष आयोजन किया जाएगा। मंदिर समिति के पदाधिकारी अनुपन बनर्जी ने बताया कि गणेशोत्सव के दौरान विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और बच्चों के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इसी तरह सेक्टर 110 स्थित लोट्स पनाश सोसाइटी में विशेष झांकियां और शोभायात्राएं भी निकाली जाएंगी। गणपति विसर्जन के लिए पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए कृत्रिम तालाब और इको-फ्रेंडली मूर्तियों का भी उपयोग किया जाएगा।

### किसानों ने कॉलेज निर्माण रोका

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में सेक्टर 19 स्थित एक निर्माणाधीन कॉलेज में अवैध भूजल दोहन के विरोध में किसान एकता महासंघ ने सोमवार को प्रदर्शन किया। किसानों ने निर्माण कार्य रोक दिया। किसान एकता महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश कसाना और सचिव अरविंद ने बताया कि 11 अगस्त को उन्होंने कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपा था। इसमें एक सप्ताह के भीतर मोटर पंप हटाने की मांग की गई थी। प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने पर किसानों ने यह कदम उठाया। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह के हस्तक्षेप पर किसानों और कॉलेज प्रशासन के बीच वार्ता हुई। वार्ता में तय हुआ कि जब तक जल दोहन के लिए लगाए गए वाटर पंप नहीं हटाए जाएंगे, तब तक निर्माण कार्य नहीं होगा। प्रदर्शन में राजवीर ठेकेदार, मास्टर इंद्रपाल सिंह, उमेद कसाना, रवि नागर, डॉ जाफर खान समेत कई किसान नेता मौजूद रहे।

# बासमती धान पर 11 कीटनाशी रसायनों का प्रयोग प्रतिबंधित

**गौतम बुद्ध नगर।** उप कृषि निदेशक/जिला कृषि रक्षा अधिकारी गौतम बुद्ध नगर राजीव कुमार ने जनपद के समस्त कृषकों एवं कीटनाशी विक्रेताओं को बताया कि कीटनाशी अधिनियम-1968 के प्रावधानों के तहत 11 कीटनाशी रसायनों, जिसमें ट्राइसाईक्लाजोल, बुप्रोफेजिन, एसीफेट, क्लोरोपाईरीफॉस, प्रोपिकोनाजोल, टेबुकोनाजोल, थायोमेथॉक्साम, प्रोफेनोफॉस, इमीडाक्लोप्रिड, कार्बेन्डाजिम, कार्बोफ्यूरान का विक्रय, वितरण और प्रयोग बासमती धान पर प्रतिबंधित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि संबंधित कीटनाशी रसायनों के प्रयोग से उत्पादित बासमती चावल का निर्यात विदेशों में नहीं हो पा रहा है। कीटनाशकों के अवशेष बासमती में पाये जा रहे हैं और प्रदेश के किसानों को भी इसका नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए ही उत्तर प्रदेश शासन द्वारा बासमती धान पर संबंधित कीटनाशकों का प्रयोग पर रोक लगायी गयी है।

उन्होंने सभी कीटनाशी विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि उपलब्ध स्टॉक में उल्लिखित कीटनाशकों की सूचना एक सप्ताह के अंदर कार्यालय में प्रस्तुत करें। साथ ही संबंधित कृषि रक्षा रसायनों का 30 सितम्बर 2025 तक विक्रय न किया जाए।

इस अवधि में किसी विक्रेता द्वारा धान की फसल पर प्रयोग हेतु उक्त रसायनों का विक्रय संबंधित कोई मामला प्रकाश में आता है, कीटनाशी अधिनियम-1968 के अन्तर्गत उसके विरुद्ध कार्यवाही अमल में लायी जाएगी।

# नोएडा में फ्लैट की छत गिरी

## प्राधिकरण ने किया था एलॉट, मेनटेनेंस न होने से हुई जर्जर

**नोएडा।** नोएडा में हो रही बारिश का असर जर्जर और पुराने हो चुके भवन पर पड़ रहा है। सेक्टर-31 के एक फ्लैट की छत की भरभरा कर गिर गई। गनीमत रही कि जिस समय छत गिरी नीचे कोई मौजूद नहीं था। हादसा बड़ा हो सकता था।

मौके पर प्राधिकरण के सिविल जीएम, प्लानिंग जीएम और डीजीएम सिविल ने निरीक्षण किया। पाया गया कि उक्त भवन के ऊपर तीन वाटर टैंक रखे गए थे। साथ ही सालों से इस भवन का अनुरक्षण कार्य नहीं किया गया था। जर्जर होने की वजह से भवन की छत नीचे गिर गई। जिससे भवन में रखे सामान को नुकसान हुआ।

#### 1980 में किए गए आवंटित

प्राधिकरण के सीईओ ने अधिकारियों को मौके पर भेजा। रिपोर्ट के अनुसार सेक्टर-31 में 128 भवन जनता और ईडब्ल्यूएस भवन का आवंटन 1980

के में किया गया था। बीते कई सालों से भवन का अनुरक्षण कार्य नहीं किया गया था। जिसके चलते ये भवन काफी जर्जर और कमजोर हो गए थे। इस दौरान लगातार बारिश होने और हैवी वेट के तीन वाटर टैंक छत पर होने से छत नीचे गिर गई।

#### नक्शे से ज्यादा बनाने से हुआ जर्जर

इसके अलावा कई भवनों में नक्शों के विपरीत निर्माण किया गया है। जिससे भवन कमजोर हो गए है। ऐसे में प्राधिकरण ने यहां रहने वाले आवंटियों को सुझाव दिया है कि वे अपने भवनों से कही ओर शिफ्ट हो गए। ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। ऐसे में आवंटियों को सामने बड़ा सवाल ये है कि वो जाए तो कहा जाए। फिलहाल यहां सभी फ्लैट जर्जर अवस्था में है जो कभी भी बड़े हादसे को दावत देने के लिए काफी है।

# डॉग पॉलिसी लागू, फिर भी नहीं हो रहा नियमों का पालन

**ग्रेटर नोएडा।** कुत्तों को इंसान का सबसे सच्चा व वफादार दोस्त माना जाता है, लेकिन इस समय कुत्ते को लेकर संग्राम मचा हुआ है। हर तरफ डॉग लवर्स और अन्य लोगों के बीच विवाद हो रहे हैं। खाना खिलाने पर भी मारपीट हो रही हैं। विवादों को रोकने के लिए तरह-तरह के नियम लागू किए जा रहे हैं, लेकिन फिर भी समस्या बढ़ती जा रही है। जिम्मेदार नियमों का पालन कराने में असफल साबित हो रहे हैं। यहीं कारण है कि ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट की सोसाइटियों में अब तक फीडिंग प्वाइंट तक नहीं बने हैं। यही नहीं, एक भी सरकारी शेल्टर होम नहीं हैं। हर वर्ष इंटरनेशनल डॉग डे पर 26 अगस्त को कुत्तों को बचाने और उनके कल्याण दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन ग्रेटर नोएडा और ग्रेनो वेस्ट में यह विवाद का कारण बन गया है। यहां 150 से अधिक सोसाइटियां हैं। जहां पालतू के साथ-साथ लावारिस कुत्तों की काफी संख्या हैं।

# ई-साइकिल परियोजना के क्रियान्वयन की जांच शुरू

**नोएडा।** नोएडा प्राधिकरण में ई-साइकिल परियोजना को लेकर जांच शुरू हो गई है। दो साल तीन महीने गुजरने के बाद भी इस योजना में ई-साइकिल का संचालन शुरू नहीं हो पाया है। परियोजना का प्रभार संभाल रहा नोएडा ट्रैफिक सेल एजेंसी पर कार्रवाई भी नहीं कर पाया है। जूनियर इंजीनियर से लेकर वरिष्ठ प्रबंधक तक धरातल पर उतर कर परियोजना की हकीकत नहीं देख रहे हैं न ही संचालन शुरू करवा पाए हैं। हालांकि चयनित एजेंसी ने प्रचार के लिए यूनिपोल लगवाने शुरू कर दिए हैं, लेकिन संचालन कार्रवाई से पीछे हट रही है। यह देखते हुए प्राधिकरण ने फैसला लिया है कि या तो ई-साइकिल सुविधा का संचालन हो या फिर इस परियोजना को बंद कर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

जांच को एसीईओ ने ई-साइकिल परियोजना की फाइल नोएडा ट्रैफिक सेल से मंगवा ली है।

#### नोएडा के स्थापना दिवस पर हुआ था लोकार्पण

बात अगर ई-साइकिल परियोजना की करें तो 17 अप्रेल 2023 को नोएडा स्थापना दिवस के मौके पर प्राधिकरण ने लोकार्पण करवाया था। 21 स्टैंड से साइकिल सुविधा शुरू करवाने का दावा था। इसके बाद 10 दिन में सुविधा 31 स्टैंड से शुरू हो जानी थी। लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस सबके बावजूद प्राधिकरण ने 31 और स्टैंड फिर उसी एजेंसी को सौंप दिए। यह 62 स्टैंड नोएडा प्राधिकरण करीब 2 करोड़ रुपये की लागत से बनवाए थे। मौजूदा स्थिति यह है कि कुछ एक स्टैंड पर ही साइकिलें हैं।

परियोजना की पड़ताल में एसीईओ ने परियोजना से जुड़े इंजीनियरों से सवाल किए।

# एक्सप्रेस-वे पर दो बाइक की टक्कर

एजेंसी

**जेवर।** ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर दो बाइक की आपस में टक्कर हो गई। हादसा सोमवार की देर शाम जीरो पॉइंट से 26 किलोमीटर दूर रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में हुआ। अलीगढ़ के क्वारसी के रहने वाले विकास (34) अपनी पत्नी आशा (33) के साथ नोएडा से अलीगढ़ जा रहे थे।

उनकी बाइक आगे चल रही दूसरी बाइक से टकरा गई। इस हादसे में विकास, आशा और गांव फलैदा के रहने वाले प्रशांत घायल हो गए। यमुना

एक्सप्रेसवे के कर्मचारियों ने तीनों घायलों को जेवर के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उनका इलाज जारी है। देर शाम तक किसी भी पक्ष ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

# यमुना प्राधिकरण में बिजली के झुके पोल से हादसा

## ट्रैक्टर ट्रॉली पर बैठे बिल्डिंग मैटीरियल सप्लायर की करंट से मौत

**जेवर।** यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 18 में सोमवार दोपहर एक बिल्डिंग मैटीरियल सप्लायर की करंट लगने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र के उस्मानपुर गांव निवासी लुकमान (36) के रूप में हुई है।

लुकमान मथुरा समेत कई जिलों से ईंट भट्टों से ईंट लाकर यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 18, 19 व 22 डी की निर्माणाधीन साइटों पर सप्लाई करते

थे। सोमवार को वह मथुरा से लाई गई ईंटों को एक साइट पर उतारने जा रहे थे। वह ट्रैक्टर ट्रॉली पर बैठे थे। सेक्टर में एक जगह बिजली का पोल झुका होने से तार नीचे की ओर लटक रहे थे। जब ट्रैक्टर तारों के नीचे से निकला तो लुकमान बिजली के तारों के संपर्क में आ गए। करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पीड़ित परिवार ने कोतवाली पहुंचकर बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों की शिकायत पर जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

# दीपावली पर दिल्ली से लखनऊ का किराया 7200

## आम दिनों में 3000 में होती है हवाई यात्रा, त्योहार के भीड़ का असर

**लखनऊ।** दीपावली पर घर लौटने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए लखनऊ का सफर आसान नहीं रहने वाला है। त्योहार से करीब दो महीने पहले ही दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से लखनऊ आने वाली फ्लाइटों का किराया चार गुना तक बढ़ चुका है। अंदेशा जताया जा रहा है कि दीपावली करीब आते-आते यह किराया सात से आठ गुना तक पहुंच सकता है।

### 18 अक्तूबर से लौटना शुरू करेंगे लोग

इस साल 20 अक्तूबर को दीपावली है। दिल्ली और मुंबई में रहने वाले लखनऊवासी 18 अक्तूबर से ही वापसी शुरू कर देंगे। ट्रेनों में टिकट न मिलने की वजह से लोगों को हवाई सफर का सहारा लेना पड़ रहा है, लेकिन बढ़ा हुआ किराया उनकी जेब पर भारी पड़ रहा है।

नई दिल्ली से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया की एआई-2477 की टिकट 4747 रुपए में मिल रही है। वहीं, इंडिगो की डायरेक्ट फ्लाइट 6ई-2258 का किराया 4831 रुपए है। अन्य उड़ानों के टिकट 7200 रुपए तक पहुंच गए हैं। आम दिनों में यही टिकट 3000 से 4000 रुपए में मिल जाते हैं। अनुमान है कि दीपावली से पहले यह किराया 12 से 15 हजार रुपए तक पहुंच सकता है।

### मुंबई व बेंगलुरु से सफर और महंगा

मुंबई से लखनऊ की फ्लाइटें सबसे महंगी साबित हो रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस आईएक्स-1219 का किराया 16,241 रुपए और इंडिगो 6ई-5379 का किराया 18,399 रुपए हो गया है, जबकि सामान्य दिनों में यह टिकट 5000 रुपए के आसपास मिलते हैं। इसी तरह बेंगलुरु से लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस आईएक्स-1230 का टिकट 17,930 रुपए और इंडिगो 6ई-451 का टिकट 17,333 रुपए तक पहुंच गया है। रेलवे की सीटें फुल होने और एयरलाइंस की बढ़ती मांग का सीधा असर आम यात्रियों की जेब पर पड़ रहा है।

आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है क्योंकि जैसे-जैसे दीपावली नजदीक आएगी, किराये में और भी इजाफा होना तय है।

## शाहजहांपुर में फौजी की पत्नी का फंदे पर मिला शव

**शाहजहांपुर।** शाहजहांपुर में आर्मी जवान की पत्नी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव फंदे पर लटका मिला। महिला के भाई का आरोप है कि ससुराल वालों ने पीट-पीटकर बहन को मार डाला। फिर शव को फंदे से लटका दिया, ताकि मामला सुसाइड का लगे। लड़की के परिजनों का कहना है आर्मी जवान ऑनलाइन गेम खेलने का आदी है। वह कर्ज में डूब गया था। कर्ज चुकाने के लिए 11 लाख रुपए मायके से लाने का दबाव बना रहा था। मांग पूरी न होने पर बेटी की हत्या कर दी गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पति समेत 5 लोगों पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। मामला थाना मदनापुर क्षेत्र के नगला बन्नू उर्फ नगरिया गांव का है। यहां रहने वाला हरिओम आर्मी में है। पूराथाना बंडा क्षेत्र के चिकटिया गांव निवासी 23 साल की विधि से 23 मार्च, 2023 को शादी हुई थी। विधि के पिता गजेंद्र का कहना है कि उन्होंने शादी में 30 लाख रुपए खर्च किए थे, लेकिन ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं था। पति दहेज में 11 लाख रुपए और मांग रहा था। उससे मारपीट करता था।

## जेसीआई फुटबॉल लीग फाइनल : अकाल एकेडमी गोमती ने जीता खिताब

**पीलीभीत।** जेसीआई वीक उत्सव 2.0 - 2025 के तहत आयोजित जेसीआई फुटबॉल लीग फाइनल का रोमांचक मुकाबला सोमवार 25 अगस्त को गांधी स्टेडियम, पीलीभीत में खेला गया। खिताबी जंग में अकाल एकेडमी गोमती ने अकाल एकेडमी कजरी को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से पराजित कर चैम्पियनशिप अपने नाम की। इससे पूर्व सेमीफाइनल मुकाबले 22 अगस्त को गांधी स्टेडियम में खेले गए थे। विजेता खिलाड़ियों को 30 अगस्त 2025 को जेसीआई वीक उत्सव 2.0 ग्रेटर डे अवॉर्ड सेरेमनी में सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह रामा गार्डन, पीलीभीत में होगा। यहां खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए जाएंगे तथा प्रतिभागियों को लकी ड्रॉ में भाग लेने का भी अवसर मिलेगा।

फाइनल मुकाबले के दौरान खेल प्रेमियों की भारी भीड़ जुटी। इस अवसर पर जेसीआई पीलीभीत मिडटाउन अध्यक्ष अमन अग्रवाल, सचिव जपनीत सिंह, जेसीआई वीक उपाध्यक्ष अभिजीत आनंद सिंह, पूर्व अध्यक्ष हर्ष कंचन व शन्तम देव, वीक संयोजक शुभम शुक्ला, पार्थ मित्तल, शुभम गोयल, प्रवाल अग्रवाल, तथा सदस्य करन भल्ला, शिवेश बंसल और शंतनु कंचन उपस्थित रहे।

जेसीआई वीक उत्सव 2.0- 2025 के तहत स्टेज इवेंट भी कल से रामा गार्डन, पीलीभीत में शुरू हो रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम के रूप में सोलो डांस प्रतियोगिता शाम 4 बजे से आयोजित की जाएगी।

## शार्ट न्यूज

### सामूहिक दुष्कर्म के दो आरोपी गिरफ्तार

**ललितपुर ।** जखौरा महिला के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। दो युवकों ने ललितपुर में रह रही मथुरा की विवाहिता के साथ किया सामूहिक दुष्कर्म आरोपीयों ने बातों में झांसा देकर उसे जंगल ले गए और फिर घटना को अंजाम दिया। मामला दर्ज कर पुलिस ने दोनों आरोपियों गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जखौरा पुलिस द्वारा थाना जखौरा पर पंजीकृत मु0अ0स0 220/25 धारा 70(1)/351(3) बीएनएस में वांछित अभियुक्तगण भोलू शर्मा पुत्र हरिओम उम्र करीब 50 वर्ष श्रीराम कुशवाहा पुत्र मथुरा प्रसाद उम्र करीब 50 वर्ष निवासीगण बांसी थाना जखौरा ललितपुर को बुन्देलखण्ड वैभव ढावा एण्ड फैमिली रेस्टोरेंट के सामने नेशनल हाइवे पर थाना जखौरा ललितपुर से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया ।

### पुलिस ने तीन वारंटी किए गिरफ्तार

**ललितपुर ।** मड़ावरा पुलिस ने सोमवार को तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक, कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मड़ावरा कृष्ण कुमार मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में बाँछित/वारण्टी अभियुक्तों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मड़ावरा पुलिस द्वारा तीन वारण्टी अभियुक्तगण कोमल पुत्र कूरा प्रेम पुत्र कूरा निवासी ग्राम सौरई थाना मडावरा जनपद ललितपुर सम्बन्धित न0मु0 244/24 धारा 323/504/506/325 भादवि थाना मडावरा मेघराज लोधी पुत्र अर्जुन निवासी ग्राम गोराकला थाना मडावरा जनपद ललितपुर सम्बन्धित एसएसटी नं0-100009/2019 धारा 323/504/506 भादवि व एससी/एसटी एक्ट को बुन्देलखण्ड वैभव ढावा एण्ड फैमिली रेस्टोरेंट के सामने नेशनल हाइवे पर थाना जखौरा ललितपुर से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली टीम उ. नि. रामकृपाल सिंह उ. नि. सोनू कुमार हे.का. नरेन्द्र सिंह आदि शामिल रहे।

### दहेज हत्या के तीन वांछित गिरफ्तार

**ललितपुर।** जाखौरा क्षेत्र में दहेज हत्या के मामले में तीन वांछित आरोपियों को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक, मो0 मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना जखौरा पुलिस द्वारा थाना जखौरा पर पंजीकृत मु0अ0स0 219/25 धारा 80/85 बीएनएस व 4 डी.पी. एक्ट में वांछित अभियुक्तगण शिवम पुत्र मसलती कुशवाहा उम्र करीब 23 वर्ष, मसलती पुत्र खरू उम्र करीब 48 वर्ष, कुसुम पत्नी मसलती कुशवाहा उम्र करीब 45 वर्ष नि0गण ग्राम राजपुर मजरा विघा थाना जखौरा जनपद ललितपुर को ग्राम राजपुर मजरा विघा थाना जखौरा से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तगण को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली टीम उ.नि. अवधेश कुमार उ.नि. कुलदीप राणा हे.का.अरविन्द कुमार का. रोहित बंसल, म.का.ममता आदि शामिल रहे।

### शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

**हरिनारायण यादव व्यूरो विशाल इंडिया**

**गाजीपुर।** थाना कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ऐसे युवक को दबोच लिया है, जिस पर शादी का झांसा देकर नाबालिग युवती से शारीरिक संबंध बनाने, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पीड़िता की मां इन्दू देवी पत्नी स्वर्गीय शम्भू हरिजन, निवासी चकफैज छतरी थाना कोतवाली द्वारा 22 अगस्त 2025 को दी गई तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। इस पर पुलिस ने अमजद अंसारी पुत्र सोफियान अंसारी, निवासी नुरुद्दीनपुरा, थाना कोतवाली, गाजीपुर, उम्र 19 वर्ष के विरुद्ध धारा 65(1), 352, 351(3) बीएनएस, एससी/एसटी एक्ट की धाराएँ तथा पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज किया। अभियुक्त की तलाश में लगी पुलिस टीम को सफलता आज 24 अगस्त 2025 को मिली, जब उ0नि0 शिवमणि त्रिपाठी अपनी टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर सुखदेवपुर तिराहे के पास पहुंचे और वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त अमजद अंसारी(19) पुत्र सोफियान अंसारी, निवासी नुरुद्दीनपुरा, थाना कोतवाली, गाजीपुर है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उप निरीक्षक शिवमणि त्रिपाठी, थाना कोतवाली शामिल थे।

### छांगुर बाबा की 13 करोड़ की संपत्ति कुर्क

**उत्तर प्रदेश।** प्रवर्तन निदेशालय लखनऊ की टीम ने धर्मांतरण के मामले में जेल में बंद छांगुर बाबा की गैंग पर बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को गैंग के सदस्य नीतू और नवीन रोहरा की 13 संपत्तियों को जब्त कर लिया। इनकी कीमत करीब 13 करोड़ है। यह संपत्तियां बलरामपुर जिले के उतरौला में हैं। ईडी प्रवक्ता ने बताया, संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत जब्त किया गया है। जिसमें अवैध तरीके से धर्म बदलवाना, विदेशी फंडिंग का दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों में साजिश रचने का आरोप है। ईडी की जांच के अनुसार, छांगुर बाबा और उनके सहयोगियों ने विदेशी फंडिंग का उपयोग कर संगठित तरीके से धर्मांतरण की गतिविधियां चलाईं। गरीब परिवार को निशाना बनाया गया। इसके लिए विदेशों से आए धन का इस्तेमाल अवैध रूप से संपत्तियां अर्जित करने में किया गया। नीतू नवीन रोहरा पर इन फंड्स के जरिए संपत्तियां खरीदने का आरोप है, जो मनी लॉन्ड्रिंग के दायरे में आता है।

### ऑनलाइन गेमिंग से ठगी करने वाले गिरफ्तार

**कन्नौज।** कन्नौज पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग ऐप के जरिए धोखाधड़ी करने वाले 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों में 6 युवक दिल्ली के रहने वाले हैं। वहीं 4 यूपी के हैं। ये गिरोह चाइना के लिंक पर काम करके ठगी करता था। यह गिरोह 4 पैनल में काम करता था। ये लोग पूरे देश भर में ऐसे उद्योगपतियों की तलाश करते थे, जिनके पास कॉर्पोरेट बैंक एकाउंट होता था। साथ ही वो लोग रोज करोड़ों का लेन देन करते हो। ये लोग ऐसे लोगों को यह कहकर फंसाते थे कि हम आपके एकाउंट में गेमिंग के जरिए पैसा मंगवाएंगे। जितना भी पैसा आपके एकाउंट में आएगा, उसका 20ब आपको देंगे। जिस पर सामने वाली पार्टी तैयार हो जाती थी। पार्टी के मानने के बाद ये लोग उनके फोन में एक लिंक शेयर करते थे। फिर उस पर क्लिक करके उनके बैंक खातों का एक्सेस ले लेते थे। साथ ही आरोपी युवाओं को ऑनलाइन गेम खिलवाते थे। उससे जो कमाई होती थी उसे उद्योगपतियों के खातों में मंगवा लेते थे। उसके बाद जब खाते में अच्छा पैसा जमा हो जाता था तो पूरा खाता खाली करके नंबर को ब्लॉक कर देते थे।

## जिले में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में नहीं होगी कोई बाधा : एडीएम

**ललितपुर।** प्रदेश में युवा पीढ़ी को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार निरंतर स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि कर रही है, इसके लिए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में आ रही कठिनाइयों को दूर कर व्यापारी बंधुओं को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ साथ युवाओं को ब्याज मुक्त व गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे व्यापारी अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकें। इसी के क्रम में जिले स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह उद्यमियों की समस्याओं को दूर करने के लिए जिला उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की जा रही हैं, जिनमें उनके द्वारा बताई गई समस्याओं को बैठक में मौजूद अधिकारियों से निस्तारित कराकर उन्हें स्वतंत्र व अनुकूल वातावरण मिल सके।सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन्होंने व्यापारियों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी तो वहीं उनकी समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए।

## ढाकुलिया बाबा स्थल पर हज़ारों श्रद्धालुओं की भीड़, जाम और विवाद से बिगड़ा माहौल

### बीसलपुर-दियोरिया क्षेत्र के गांव सखिया में आस्था और अव्यवस्था आमने-सामने

**पीलीभीत।** बीसलपुर दियोरिया कोतवाली क्षेत्र के गांव सखिया स्थित ढाकुलिया बाबा स्थान पर सोमवार को भारी भीड़ उमड़ी। हज़ारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे, जिससे स्थल और आसपास का माहौल अस्त-व्यस्त हो गया। दर्शन के लिए लंबी कतारें लगीं, वहीं बीसलपुर-गुजरौला मार्ग पर ई-रिक्शा, ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइकों की अव्यवस्थित पार्किंग ने घंटों लंबा जाम खड़ा कर दिया। पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी, तब जाकर लोगों को राहत मिली। ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं से अपील की थी कि बाबा स्थान पर चढ़ावा न चढ़ाएं और इसके लिए पहले से एक बैनर भी लगाया गया था। लेकिन कमेटी पदाधिकारियों ने वह बैनर फाड़ दिया। इस पर विवाद बढ़ गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि कमेटी अध्यक्ष छत्रपाल गंगवार चढ़ावे के पैसों में गोलमाल कर रहे हैं। इससे ग्रामीण और कमेटी आपस में भिड़ गए। स्थिति बिगड़ने पर उप जिलाधिकारी नागेंद्र पांडे और पुलिस क्षेत्राधिकारी प्रगति सिंह चौहान मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। अधिकारियों ने पूरी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। वहीं बीसलपुर कोतवाली के उपनिरीक्षक शरीफ व दियोरिया पुलिस बल के साथ पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को खाली कराया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ढाकुलिया बाबा स्थान पर हर सोमवार भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं, लेकिन प्रबंधन के अभाव में जाम और विवाद की स्थिति बन जाती है। आज भी सड़क घंटों बाधित रही और श्रद्धालुओं के साथ-साथ राहगीरों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। स्पष्ट है कि आस्था के नाम पर चल रहा यह विवाद न केवल श्रद्धालुओं के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है बल्कि प्रशासन के लिए भी सिरदर्द बन गया है।

## समाजवादी पार्टी कार्यालय में बी.पी. मंडल की जयंती मनाई गई

**पीलीभीत।** समाजवादी पार्टी कार्यालय में महान समाजवादी नेता, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा बाबू बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल (बी.पी. मंडल) की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने की तथा संचालन सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मंडल जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि बी.पी. मंडल ने हमेशा वंचितों, शोषितों और पिछड़ों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी तथा सामाजिक न्याय की नींव को मजबूत किया।

सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि मंडल जी का जीवन समाजवादी मूल्यों और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है। हमें उनके दिखाए मार्ग पर चलकर समाज में समानता और भाईचारे की स्थापना करनी है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सपा जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी, सपा प्रदेश सचिव कुलवंत सिंह, सपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर, 127 सदर विधानसभा पीलीभीत अध्यक्ष इम्तियाज अल्वी, सपा जिला उपाध्यक्ष हाजी अकबर अहमद अंसारी, धनपति वर्मा एडवोकेट, डॉ. राममूर्ति गंगवार, सपा जिला सचिव असलम यार खां एडवोकेट, सपा अल्पसंख्यक सभा जिलाध्यक्ष रियाज़ खां, सपा युवजन सभा जिलाध्यक्ष हरगोविंद गंगवार, भगवानदास सागर, जोवनप्रीत सिंह, गुरमीत सिंह, दिनेश कुमार वर्मा, भगवानदीन वर्मा, गुरविंदर सिंह गिल, मंजीत सिंह, सुमित कुमार, महेश कुमार, शमीम खां, राजाराम वर्मा, सुमित वर्मा, बेचेलाल वर्मा, सुमित पाल सहित तमाम सम्मानित नेतागण, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## कर्मनाशा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण तहसीलदार टीम के साथ निरीक्षण किया

**हरिनारायण यादव विशाल इंडिया व्यूरो गाजीपुर**

**गाजीपुर।** कर्मनाशा नदी में बढ़ते जल स्तर को देखते हुए गायघाट, करमहरी, जबुरना, तियरी, कसेरुवा का निरीक्षण किया गया राजस्व निरीक्षक अजय कुमार लेखपाल मंतोष लेखपाल फुल वचन अतुल राय उपस्थित रहे। बताया जाता है। कि पहाड़ी इलाकों में हुई लगातार बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण कर्मनाशा नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है, जिससे चंदौली और गाजीपुर के आसपास के ग्रामीण इलाकों में पानी घुस गया है। इस बाढ़ के कारण कई गांवों का सड़क मार्ग जलमग्न हो गया है। और खेतों में धान व अरहर की फसल डूबने की कगार पर पहुंच चुकी है। जिसके चलते किसानों को भारी नुकसान हो सकता है। तहसील प्रशासन कर्मनाशा नदी किनारे बसे गांवों को सतर्क कर दिया है। कर्मनाश नदी का जलस्तर बढ़ते देख उपजिलाधिकारी ज्योति चौरसिया के कुशल निर्देश पर तहसीलदार राम नारायण वर्मा क्षेत्रीय लेखपालों के संग बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इसके साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सुविधा व खाद्य सामग्री की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया है।

## एसपी ने जूम मीटिंग कर परखी जिले की कानून व्यवस्था

### आगामी त्यौहारों गणेश चतुर्थी, बाराबफ़ात को लेकर सुरक्षा व शांति- व्यवस्था बनाये रखने के दिए निर्देश

**ललितपुर।** पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक द्वारा गूगल मीट के माध्यम से जनपद के समस्त राजपत्रित अधि0/थाना/शाखा प्रभारियों के साथ लम्बित प्रार्थना पत्रों/विवेचनाओं के सम्बन्ध में सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । मीटिंग के बिन्दु निम्नवत हैं। आगामी त्यौहारो (गणेश चतुर्थी, बाराबफ़ात आदि) को दृष्टिगत रखते हुए रूट चार्ट बनाकर सुरक्षा व शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु समस्त क्षेत्राधिकारी/थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया ।

अपने-अपने थाना क्षेत्रों में सम्भ्रांत व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग का आयोजन कर उक्त पर्व के दृष्टिगत जारी किये गये शासन के आदेशो-निर्देशो से अवगत कराने तथा क्षेत्रों में सतत् रूप से होटल/ढ़ाबा/रेस्टोरेंट आदि सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण शील रहकर चेकिंग करना सुनिश्चित करें । गणेश उत्सव के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थलों के आस-पास पर्याप्त मात्रा में सीसीटीवी कैमरा व अग्निशमन यंत्रो के इंस्टोलेशन व उचित प्रबंधन हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया तथा गणेश उत्सव के दृष्टिगत विसर्जन स्थलों पर गोताखोर व पर्याप्त पुलिस बल लगाकर त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु निर्देशित किया गया। आईजीआरएस पोर्टल पर लम्बित शिकायतों का उचित, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराने हेतु तथा आवेदको से शत-प्रतिशत फीडबैक लेने हेतु निर्देशित किया गया । ऑनलाइन पोर्टलों पर प्राप्त शिकायतों की सतत मॉनिटरिंग की जाए तथा लम्बित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए ।

## मेले में चाट-पकौड़ी खाने से 60 बच्चे बीमार

**बिलारी।** मुरादाबाद में लगे फूलडोल मेले की रौनक फीकी पड़ गई। मेले में चाट-पकौड़ी खाने से 60 बच्चे बीमार हो गए। घर लौटने के बाद रात से ही उन सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। जिन्होंने मेले में चाट-पकौड़ी खाई थी। मामला कुन्दरकी थाना क्षेत्र के गांव शेखुपुर खास का है। बच्चों को उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई। इससे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। टीम ने तुरंत मेडिकल कैंप लगाकर बच्चों का इलाज शुरू किया। डॉक्टरों ने सभी बच्चों को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उनकी हालत सामान्य हो गई। एक बच्चे की हालत नाजुक होने पर उसे जिला अस्पताल भेज दिया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि मेले में लगे खाने-पीने के स्टॉल पर साफ-सफाई नहीं थी। खुले में बिक रही खाने की चीजों को खाने से बच्चे बीमार हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मेलों में खाद्य विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखी जाए। ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

## जिम्मेदारी व पदीय दायित्व की पेश की नजीर

### सोनाली उपाध्याय बनी अन्य सचिवों के लिए उदाहरण

**विशाल इंडिया पूनम तिवारी**

**अंबेडकर नगर।** भीटी तहसील क्षेत्र के भीटी ब्लॉक मुख्यालय पर स्थित कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड भीटी अंबेडकर नगर की सचिव सोनाली उपाध्याय ने यूरिया खाद संकट के दौर में एक नई नजीर पेश की है।महीने भर से समिति पर जुटने वाली किसानों की भीड़ को जिस सहूलियत, शालीनता से उन्होंने नियंत्रित किया है उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। अक्सर मीडिया कमियां ही ढूंढती है परंतु सचिव सोनाली उपाध्याय की कर्तव्य परायणता, पदीय दायित्व अन्य सचिवों के लिए एक मिसाल बन गई है।सचिव सोनाली उपाध्याय के द्वारा महीने भर से लगातार यदि गोदाम पर यूरिया खाद उपलब्ध है तो 600 से अधिक पैकेट यूरिया वितरित की जाती है न परिवार न रिश्तेदार न और किसी का ध्यान कोई दबाव नहीं सबके साथ एक समान व्यवहार लाइन लगाकर क्रमवार तरीके से सभी किसानों को समान रूप से यूरिया खाद का वितरण किया जाना पूरे भीटी तहसील क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।किसी भी कार्य दिवस में सोनाली उपाध्याय ने यह नहीं

सिद्ध होने दिया कि वह महिला हैं और पुरुष के बराबर कार्य नहीं कर सकती उन्होंने बहादुरी से पदीय दायित्व निभाया है।उनके सहयोगी भी उनका अनुकरण करके साहसपूर्ण तरीके से यूरिया खाद वितरण में अपना सहयोग देते हैं, जिसमें प्रमुख नाम दुर्गा पांडे का है विशाल इंडिया अखबार व मीडिया पड़ताल में आज पता चला कि सचिव सोनाली उपाध्याय के द्वारा सोमवार 600 बोरी यूरिया को वितरित की गई है।अगर सभी सचिव ऐसे ही कर्तव्य पारायणता से अपनी जिम्मेदारी निभाएं तो किसानों को किसी भी दुश्वरी का सामना नहीं करना पड़ेगा।बातचीत के दौरान सचिव सोनाली उपाध्याय ने बताया कि पदीय दायित्व का सच्चे मन से निर्वाह करना ही सबसे बड़ी देश सेवा व देशभक्ति है सभी को इसका पालन करना चाहिए।

## संक्षिप्त समाचार

### युद्ध खत्म कराने में भूमिका निभाए भारत, यूक्रेनी राजदूत बोले– बातचीत के जरिये समस्याओं का निकले हल

**मास्को , एजेंसी।** रूस–यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने के लिए भारत और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाए, क्योंकि यूक्रेन शांति वार्ता में भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। रूस का पुराना सहयोगी होने के चलते भारत यह कार्य कर सकता है। यह बात भारत में यूक्रेन के राजदूत ओलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कही है। यूक्रेन के नेशनल फ्लैग डे पर साक्षात्कार में पोलिशचुक ने कहा कि भारत के साथ उनके देश की बातचीत 2023 से बढ़ी है। उस समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि रूस–यूक्रेन युद्ध में भारत तटस्थ नहीं है, भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत के जरिये समस्याओं को सुलझाने का समर्थन करता है। भारतीय प्रधानमंत्री के इस बयान के बाद यूक्रेन ने युद्ध खत्म कराने के लिए भारत की भूमिका को महत्वपूर्ण माना और अब शांति वार्ता में शामिल होने की उम्मीद कर रहा है। इस बीच युद्ध में शनिवार को यूक्रेन ने रूस की राजधानी मॉस्को पर ड्रोन हमले की कोशिश की। इसके चलते मॉस्को और उसके आसपास के शहरों का हवाई यातायात कई घंटे रुका रहा। रूसी एयर डिफेंस सिस्टम ने मॉस्को पहुंचने से पहले इन ड्रोन को मार गिराया। इस दौरान किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है। रूस के तेल आपूर्ति तंत्र पर गुरुवार रात यूक्रेन के हमले से हंगरी और स्लोवाकिया की तेल आपूर्ति कम से कम पांच दिनों के लिए ठप हो गई। यूक्रेनी ड्रोन हमले से रूस में भीषण आग लग गई है जिसे तेल आपूर्ति बंद करके नियंत्रित किया जा रहा है। यूक्रेन ने रूस की द्रुज्बा तेल पाइपलाइन और कुछ अन्य स्थानों पर हमले किए हैं। जबकि रूस ने भी यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले किए हैं जिससे आने वाले सर्दी के मौसम में यूक्रेनी नागरिकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद 2022 से रूस से तेल और गैस की आपूर्ति काफी कम कर दी है। उनकी योजना 2027 तक इस आपूर्ति को शून्य कर देनी है। लेकिन यूरोपीय संघ के सदस्य हंगरी और स्लोवाकिया ने रूस से अपने रिश्ते बनाए रखे हैं। उन्होंने रूस पर लगाए प्रतिबंधों का भी विरोध किया है। दोनों देशों ने द्रुज्बा पाइपलाइन से होने वाली तेल आपूर्ति रोकने के प्रयास की निंदा की है।

### शराब पीकर गाड़ी चलाने के पुराने मामलों में निर्वासन का खतरा, ट्रंप प्रशासन ने डीयूआई एक्ट का समर्थन किया

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका में ट्रंप प्रशासन के एचआर.875 या प्रोटेक्ट आवर कम्युनिटीज फ्रॉम डीयूआई एक्ट का समर्थन करने से अप्रवासी समुदाय, खासकर भारतीय प्रवासियों के लिए खतरा बढ़ गया है। शराब पीकर गाड़ी चलाने (डीयूआई–ड्राइव अंडर इन्फ्लूएंस) के पुराने मामलों में अब अमेरिका में निर्वासन के खतरे की घंटी से ग्रीन कार्ड व वीजा धारकों की चिंता बढ़ गई है। यह विधेयक हाउस में पास हो चुका है और अब इसे सीनेट में समर्थन मिल रहा है, जिसे व्हाइट हाउस का भी समर्थन प्राप्त है।अभी तक, कम गंभीर डीयूआई अपराधों के कारण आमतौर पर निर्वासन या अमेरिका में प्रवेश पर रोक नहीं लगती थी। लेकिन, विल के कानून बनने से स्थिति बदल जाएगी। आप्रवासन वकील जोसेफ त्सांग ने कहा, कानून बना तो किसी भी गैर अमेरिकी नागरिक को सिर्फ एक पुराने डीयूआई रिकॉर्ड के आधार पर अमेरिका से बाहर निकाला जा सकता है या उसे वापस आने से रोका जा सकता है। इस खतरे को देखते हुए, आप्रवासन वकील उन सभी ग्रीन कार्ड धारकों को सलाह दे रहे हैं जो नागरिकता के लिए पात्र हैं कि वे तुरंत इस प्रक्रिया को शुरू करें। इसके अलावा, जिन लोगों के पास डीयूआई का रिकॉर्ड है, उन्हें जल्द से जल्द कानूनी सलाह लेने और अपनी रक्षा के लिए मजबूत कदम उठाने की सलाह दी गई है।इस बिल का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि इसमें दोषी ठहराए जाने की भी जरूरत नहीं है। एक लॉ फर्म, लैंडरहोम इमिग्रेशन, के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति ने कभी शराब पीकर गाड़ी चलाने की बात स्वीकार भी की होगी तो उसको अमेरिका में रहने के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है। यह नियम तब भी लागू होगा जब आरोप हटा दिए गए हों या घटना कई साल पहले हुई हो। यह एक बेहद कठोर और व्यापक मानक है। त्सांग ने कहा, इसमें कोई दो राय नहीं कि डीयूआई गंभीर है क्योंकि यह जान ले लेती है और दर्द देती है। इसका उद्देश्य हमारे समुदायों को सुरक्षित बनाना है और यह एक ऐसा लक्ष्य है जिसे हम सभी साझा करते हैं। लेकिन इस बिल के मामले में मुद्दा आनुपातिकता और प्रक्रिया का है। यह विधेयक व्यक्ति के संदर्भ या सुधार की संभावना पर विचार नहीं करता। जैसे दस वर्ष पुराने डीयूआई रिकॉर्ड वाला ग्रीन कार्ड धारक के विदेश जाने पर बिल उसके वापस लौटने से पहले कानून बनता है, तो उसे देश में प्रवेश से रोका जा सकता है।

# गाजा में इजरायल के भीषण हमले जारी, हवाई हमले में 33 फलस्तीनियों की मौत

**गाजा, एजेंसी।** गाजा पट्टी में बेघर और भूखे-प्यासे फलस्तीनियों पर इजरायली हमले जारी हैं। टेंट में रह रहे और खाना लेने गए लोगों पर हवाई हमले और फायरिंग में शनिवार को 33 लोग मारे गए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा सबसे बड़े शहर गाजा सिटी और उसके आसपास के इलाके को अकालग्रस्त घोषित किए जाने के बाद इजरायली सेना ने यह कार्रवाई की है।



### हवाई हमले में 17 लोग मारे गए

नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री कैस्पर वेल्डकैंप ने गाजा पर कार्रवाई को लेकर इजरायल पर प्रतिबंध लगाने में सरकार के विफल रहने के बाद इस्तीफा दे दिया है। शनिवार तड़के खान यूनिस शहर के बाहर लगे विस्थापितों के टेंट पर हुए हवाई हमले में 17 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। मारे गए लोगों में आधी संख्या महिलाओं और बच्चों की है।

मारे गए दो बच्चों के चाचा अवाद अबू अगला ने कहा कि गाजा में कोई भी जगह और कोई भी व्यक्ति सुरक्षित नहीं है। सभी जगह बमबारी हो रही है। जबकि उत्तरी गाजा में जिकिम क्रासिंग के निकट खाना लेने गए लोगों पर फायरिंग में पांच लोग मारे गए हैं। अन्य स्थानों पर हुए इजरायली हमलों में 11 लोग मारे गए हैं।

### इजरायली सेना ने जारी किया बयान

इजरायली सेना ने कहा है कि सैनिकों के लिए खतरा पैदा होने पर हवाई फायरिंग की गई थी। किसी को निशाना बनाकर गोली नहीं चलाई गई। कुछ वर्षों पहले इजरायल को मान्यता देने वाले अरब देश संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गाजा की स्थिति और वेस्ट बैंक को बांटने की इजरायली योजना की कड़ी निंदा की है।

### इजरायल पर हाउती का ड्रोन हमला, कई घायल

शनिवार तड़के यमन के ड्रोन हमले में इजरायली शहर तेल अवीव में कई लोग लोग घायल हुए और हजारों लोगों को कई घंटे तक भूमिगत सुरक्षित स्थलों में रहना पड़ा। इस हमले के चलते शहर के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमानों का आवागमन घंटों बाधित रहा।

शनिवार रात हवाई अड्डे पर यातायात सामान्य हो सका। इजरायली सेना ने दावा किया है कि यमनी हवाई हमले को रोकने की कई कोशिशों के बाद ड्रोनों को गिराया जा सका। इससे कुछ अव्यवस्था पैदा हुई। विदित हो कि यमन के हाउती संगठन ने दो हजार किलोमीटर दूरी से यह हमला किया था।

### एमीन एर्दोगन ने मेलानिया से गाजा के लिए आवाज उठाने को कहा

तुर्किये की प्रथम महिला एमीन एर्दोगन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया को पत्र लिखकर गाजा के बच्चों और महिलाओं के लिए भी आवाज उठाने का अनुरोध किया है। मेलानिया ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पति ट्रंप के जरिये पत्र देकर यूक्रेन में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए जल्द युद्ध खत्म करने का अनुरोध किया था।

# फटेहाल पाकिस्तान में फैक्ट्रियों से ज्यादा हैं मस्जिद और मदरसे, रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

**इस्लामाबाद , एजेंसी।** पाकिस्तान में हाल ही में पहली बार आर्थिक जनगणना का आंकड़ा जारी हुआ है। इस रिपोर्ट ने सबको चौंका दिया है, क्योंकि पाकिस्तान में मस्जिदों और मदरसों की संख्या उद्योग-कारखानों से कहीं ज्यादा है। पाक के योजना मंत्री अहसान इकबाल ने यह रिपोर्ट जारी की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में करीब 6 लाख मस्जिदें हैं जबकि सिर्फ 23 हजार फैक्ट्रियां चल रही हैं। इतना ही नहीं, 36 हजार धार्मिक मदरसे भी दर्ज किए गए हैं जो फिर से उद्योग से ज्यादा है।

हालांकि, छोटे उत्पादन यूनिट की संख्या 6.43 लाख बताई गई है। यह आंकड़ा पाकिस्तान की जनगणना से इकट्ठा किया गया और 21 अगस्त को आधिकारिक तौर पर जारी किया गया।यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब पाकिस्तान अपनी डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (ढ्ढरूस्न) से 7 अरब डॉलर के बेलआउट पैकेज की दूसरी समीक्षा पर काम कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मदरसों और मस्जिदों की सबसे ज्यादा संख्या पंजाब प्रांत में है। डेटा के अनुसार, पाकिस्तान में 4 करोड़ स्थायी यूनिट मौजूद हैं। इनमें से 72 लाख रोजगार वाले ढांचे हैं, जहां साल 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। सबसे ज्यादा लोग सर्विस सेक्टर में काम कर रहे हैं।

रिपोर्ट जारी करते हुए अहसान इकबाल ने कहा, विश्वसनीय आंकड़े ही स्थायी विकास की रीढ़ हैं। इससे नीतियां सही तरह से बनती हैं और फैसले लेने में आसानी होती है।

# हसीना के पतन का असर: बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकी बढ़ी, 13 साल बाद ढाका पहुंचे पाक विदेश मंत्री



**ढाका, एजेंसी।** पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार शनिवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका पहुंचे। यह 2012 के बाद पहली बार है जब पाकिस्तान का कोई इतना बड़ा अधिकारी बांग्लादेश गया है। बीते 72 घंटों में दोनों देशों के कई बड़े नेताओं और सैन्य अधिकारियों की मुलाकातें हो चुकी हैं।डार ने कहा कि वह बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस से भी मुलाकात करेंगे। रविवार को दोनों देशों के बीच एक व्यापार समझौता होने की उम्मीद है।

**भारत पर नजर :** विश्लेषकों का मानना है कि यह दौरा भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। अगस्त 2024 में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत-बांग्लादेश रिश्ते तनावपूर्ण हैं। वहीं, पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध अप्रैल के पहलगाम हमले और मई में हुए सैन्य संघर्ष के बाद बेहद नाजुक हो गए हैं। अमेरिकी विश्लेषक माइकल कूगलमान के मुताबिक, बांग्लादेश कभी भारत का सबसे करीबी साझेदार रहा है, लेकिन अब वह भारत के प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ा रहा है।

**बदलती विदेश नीति :** शेख हसीना को भारत में शरण मिलने के बाद बांग्लादेश ने पाकिस्तान के साथ समुद्री व्यापार शुरू किया। फरवरी 2025 में दोनों देशों ने सरकारी स्तर पर व्यापार बढ़ाने का ऐलान किया।

पिछले हफ्ते पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान ने ढाका में निवेश बढ़ाने के लिए ज्वाइंट कमीशन बनाने पर सहमति जताई। इसके बाद शुक्रवार को दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडर भी मिले।

**1971 की छाया और नई राजनीति :** बांग्लादेश कभी पाकिस्तान का हिस्सा रहा है और 1971 में अलग होकर स्वतंत्र हुआ था। आज भी ढाका के कई लोग पाकिस्तान से उस दौर की हत्याओं और अत्याचारों के लिए माफी की मांग करते हैं।। लेकिन मौजूदा अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस का रुख अलग है। वे भारत पर आरोप लगाते हैं कि उसने शेख हसीना को गंभीर अपराधों से बचाया। हसीना पर 2024 के छात्र आंदोलन को बलपूर्वक दबाने का आरोप है। यही आंदोलन इतना बड़ा हुआ कि उन्हें देश छोड़कर भारत भागना पड़ा।

थॉमस कीन (इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप) का कहना है, हसीना का पतन भारत के लिए रणनीतिक झटका था, और बांग्लादेश-पाकिस्तान की नजदीकियां उसी का नतीजा हैं। फिलहाल, बांग्लादेश ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया है और फरवरी 2026 में चुनाव होंगे। ढाका का आरोप है कि भारत अब भी आवामी लीग का समर्थन कर रहा है, जबकि भारत का कहना है कि उसकी जमीन किसी भी विदेशी राजनीतिक गतिविधि के लिए इस्तेमाल नहीं होती।

# विदेश में गुपचुप दूसरी शादी रचाना पड़ा महंगा, भारतीय शख्स अब भुगत रहा जेल, कैसे खुली पोल

**सिंगापुर, एजेंसी।** एक भारतीय शख्स को विदेश में गुपचुप शादी रचाना काफी महंगा पड़ गया। अब दो शादियां रचाने के आरोप में इस व्यक्ति को जेल की सजा हो गई है। आरोपी की पहचान 49 वर्षीय वैथियालिंगम मुथुकुमार के रूप में हुई है। इस व्यक्ति ने 15 साल पहले पहला विवाह रचाया था। गौरतलब है कि सिंगापुर में दो शादियां रचाना कानूनन अपराध है। मुथुकुमार को तीन महीने और तीन हफ्ते की जेल की सजा सुनाई गई है।

**सहकर्मी के साथ अफेयर :** मुथुकुमार की पहली शादी साल 2007 में हुई थी। साल 2011 में सिंगापुर में उनका अपनी सहकर्मी के साथ अफेयर शुरू हो गया। हैरानी की बात यह है कि जिस महिला, सलमा बी अब्दुल रज्जाक के साथ मुथुकुमार का अफेयर था, उसे पता था कि वह शादीशुदा हैं। इसके बावजूद वह सिंगापुरी महिला मुथुकुमार के शादी रचाने के लिए तैयार हो गई। बताया जाता है मुथुकुमार ने उसके ऊपर शादी के लिए काफी दबाव डाला था। मुथुकुमार ने कहा था कि उसे एक बच्चा चाहिए। इतना ही नहीं, उसने सलमा से यह भी वादा किया था कि वह अपनी पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

**ऐसे खुली पोल :** अगस्त 2022 में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाज से शादी कर ली। एक भारतीय मुस्लिम धर्मगुरु ने दोनों की शादी रजिस्टर कराई। रिपोर्ट के मुताबिक शादी के बाद दोनों वापस सिंगापुर पहुंच गए।

यहां पर मुथुकुमार अपनी पहली पत्नी के साथ ही रहता था। हालांकि बीच-बीच में समय निकालकर वह सलमा से मिलने जाया करता था। 14 सितंबर 2023 को सलमा ने एक बच्चे को जन्म दिया। इसी समय मुथुकुमार की पोल खुल गई। असल में मुथु की पहली पत्नी उसी अस्पताल में काम करती थी, जहां सलमा के बच्चे का जन्म हुआ था। जब उसने मुथु को डिलीवरी सुइट से बाहर आते देखा तो उसे शक हुआ। उसे पता था कि यह सुइट किसी आने-जाने वाले के लिए नहीं खोला जाता। ऐसे में उसने मुथु से पूछताछ शुरू कर दी। इसके बाद मुथु ने उसे अपनी दूसरी शादी और बच्चे के जन्म के बारे में बताया।

**रिजेक्ट हो गया अप्लीकेशन :** इसके बाद मुथुकुमार ने सिंगापुर में स्थायी निवास के लिए अप्लाई किया। कानूनी दस्तावेजों में उसने झूठ बोला कि उसकी दूसरी कोई शादी नहीं हुई है। हालांकि एक महीने बाद सलमा ने मंत्रालय को बता दिया कि मुथु ने दो शादियां की हैं। इसके बाद उसका अप्लीकेशन रिजेक्ट हो गया। इसके बाद मामला शीर्ष अधिकारियों तक पहुंचा। अधिकारियों ने कहा कि उसने अपनी दोनों पत्नियों को धोखा दिया है। जहां उसने पहली पत्नी को दूसरी शादी की बात नहीं बताई। वहीं, दूसरी पत्नी से यह कहकर विवाह रचाया कि वह पहली पत्नी को तलाक दे देगा।

# अफगानिस्तान से जाते वक्त अमेरिका छोड़ गया था हथियार, अब पाकिस्तान के खिलाफ इस्तेमाल कर रहा तालिबान

**काबुल , एजेंसी।** पाकिस्तान ने अमेरिका से कहा है कि वह अफगानिस्तान में छोड़े गए हथियार वापस ले। ये हथियार आतंकवादियों के हाथों में जा रहे हैं और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। अफगानिस्तान से वापसी के दौरान बड़ी मात्रा में सैन्य हथियार वहीं छूट गए थे।

पाकिस्तानी सैन्य प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा कि अमेरिकी हथियारों का अनियंत्रित प्रसार पाकिस्तान की स्थिरता के लिए सीधा खतरा है। खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, पेंटागन द्वारा अनुमानित सात अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी हथियारों के भंडार में बख्तरबंद वाहन, उन्नत आग्नेयास्त्र, बायोमीट्रिक सिस्टम और अन्य संवेदनशील उपकरण शामिल हैं।

माना जाता है कि इनमें से कई हथियार पाकिस्तानी तालिबान द्वारा जब्त कर लिए गए और अब



पाकिस्तान सेना के खिलाफ इस्तेमाल किए जा रहे हैं। खोस्त और पक्तिका जैसे अफगान के ब्लैक मार्केट में अमेरिका निर्मित हथियारों की कीमतें आसमान छू रही हैं। एक एम4 राइफल 4,200 डॉलर से अधिक में बिकती है, जबकि एक एम16 राइफल 1,400 डॉलर में बिकती है।चीनी राइफलें कम दामों पर उपलब्ध हैं, लेकिन आतंकी अमेरिकी मॉडलों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता को ज्यादा पसंद करते हैं। द वाशिंगटन पोस्ट का हवाला देते हुए कहा गया है कि नाटो द्वारा आपूर्ति किए गए 4,00,000 हथियार तालिबान के नियंत्रण में हो सकते हैं।

# तीन अस्पताल, 460 महिलाओं की गुप्त वीडियो ऑस्ट्रेलिया के डॉक्टर पर गंभीर आरोप

**मेलबर्न, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलियाई अस्पतालों के शौचालयों में गुप्त रूप से वीडियो रिकॉर्डिंग करने के आरोपी प्रशिक्षु सर्जन को शुक्रवार को जमानत पर रिहा कर दिया गया। विक्टोरिया राज्य के सर्वोच्च न्यायालय के दस्तावेजों में पुलिस ने आरोप लगाया है कि 28 वर्षीय रयान चो पर लगभग 500 आरोप लग सकते हैं, जो 2021 से मेलबर्न के तीन अस्पतालों के स्टाफ शौचालयों में फोन से गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए गए 4,500 अंतरंग वीडियो से संबंधित हैं।

**सशर्त जमानत पर रिहाई का आदेश :** न्यायमूर्ति जेम्स इलियट ने फैसला सुनाया कि जूनियर डॉक्टर को इस शर्त पर रिहा किया जाए कि वह अपने माता-पिता के साथ रहे, जो अपने बेटे की रिहाई की उम्मीद में सिंगापुर से मेलबर्न आए थे। उनके माता-पिता को 50000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32000 अमेरिकी डॉलर) की जमानत देनी होगी। दूसरी ओर अभियोजक ने तर्क दिया कि आरोप लगने के बाद चो ने भागने की कोशिश की थी। नौकरी से निलंबित होने के बाद ऑस्ट्रेलिया से उसका कोई मजबूत संबंध नहीं था।

हैमिल ने कहा कि चो अप्रैल में ऑस्ट्रेलिया का स्थायी निवासी बन गया था, लेकिन अगर उसे दोषी ठहराया गया और 12 महीने या उससे अधिक की जेल की सजा सुनाई गई, तो उसे निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। जज ने कहा कि चो ने अपना सिंगापुर पासपोर्ट जमा कर दिया था और ऑस्ट्रेलिया छोड़ने में उसकी कोई आपराधिक भूमिका नहीं थी।

**460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करने का आरोप :** पुलिस का आरोप है कि चो ने कम से कम 460 महिलाओं की अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड कीं। जज ने कहा कि चो पर उन तस्वीरों को प्रसारित करने का कोई आरोप नहीं है। चो को जुलाई में ऑस्टिन अस्पताल के शौचालय में एक जालीदार बैग के अंदर से रिकॉर्डिंग करते हुए फोन मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस का आरोप है कि उसने पीटर मैक्कलम कैंसर सेंटर और रॉयल मेलबर्न अस्पताल के शौचालयों में भी रिकॉर्डिंग की थी।

दूसरी ओर चो के वकील जूलियन मैकमोहन ने अभियोजकों की इस आशंका को खारिज कर दिया कि रिहाई के बाद चो गवाहों के काम में दखल दे सकता है। मैकमोहन ने कहा कि ऐसे अपराधों के लिए सैकड़ों गवाह होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि यह धारणा है कि अगर मेरा मुवक्किल गवाहों के काम में दखल देने के आपराधिक कृत्य में शामिल होता है, तो इससे मामले के परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

**2017 में ऑस्ट्रेलिया आया चो :** चो पर शुरू में छह अपराधों का आरोप लगाया गया था, लेकिन गुरुवार को 127 और आरोप जोड़े गए, जिनमें बिना अनुमति के जानबूझकर अंतरंग तस्वीरें रिकॉर्ड करना शामिल है। मैकमोहन ने कहा कि यह कहना जल्दबाजी होगी कि आरोपों पर मुकदमा चलेगा या नहीं। चो ने अभी तक कोई दलील नहीं दी है। चो 2017 में एक छात्र के रूप में ऑस्ट्रेलिया आया और मेलबर्न के मोनाश विश्वविद्यालय में डॉक्टर की पढ़ाई की।

# पुतिन से मुलाकात के बाद बदले ट्रंप के तेवर, दो हफ्ते में रूस पर लगेगा प्रतिबंध? अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिए बड़े संकेत

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि दो हफ्ते में उन्हें पता चल जाएगा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को समाप्त करने के उनके प्रयास में प्रगति संभव है या नहीं। उन्होंने फिर रूस पर प्रतिबंध लगाने की संभावना जताई।

ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों के किसी भी पहलू से वह खुश नहीं हैं। एक हफ्ते पहले ही ट्रंप ने अलास्का में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से वार्ता की थी। वह अभी तक उन्हें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ बैठक के लिए सहमत नहीं कर पाए हैं।

ट्रंप ने कहा, उनमें बहुत अधिक नफरत है। लेकिन देखते हैं कि क्या होता है। मुझे लगता है कि दो हफ्ते में हमें पता चल जाएगा कि मैं किस राह पर जा रहा हूं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह तभी तय करेंगे कि बड़े प्रतिबंध लगाने हैं या कुछ नहीं करना है और उनसे कहना है कि यह आपकी लड़ाई है।

**पुतिन को रूस–अमेरिका संबंधों में दिख रही उम्मीद की किरण :** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन



ने शुक्रवार को कहा कि रूस-अमेरिका संबंधों में उन्हें उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। एक परमाणु अनुसंधान केंद्र के दौरे के दौरान पुतिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के आने से मुझे उम्मीद की किरण दिखाई देने लगी है। अलास्का में हमारी एक बहुत अच्छी, सार्थक और स्पष्टवादी बैठक हुई। आगे के कदम अब अमेरिका के नेतृत्व पर निर्भर हैं। लेकिन मुझे विश्वास है कि वर्तमान राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व के गुण इस बात की गारंटी हैं कि संबंध बहाल होंगे।

# मीराबाई चानू ने गोल्ड मेडल जीतकर किया कमबैक, कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में किया रिकॉर्डतोड़ प्रदर्शन

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंजरी के बाद वेटलिफ्टर स्टार मीराबाई चानू ने बेहतरीन कमबैक किया है। दरअसल, एक साल के लंबे इंतजार के बाद वापसी करते हुए मीराबाई चानू ने सोमवार को अहमदाबाद में राष्ट्रमंड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में नए रिकॉर्ड बनाकर गोल्ड मेडल जीता है। टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वजन वर्ग में कुल 193 किग्रा वजन उठाकर कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में कुल, स्नैच और क्लीन एंड जर्क के रिकॉर्ड तोड़कर पहला स्थान हासिल किया।

बता दें कि , 31 वर्षीय खिलाड़ी इससे पहले 49 किग्रा में भाग लेती थी लेकिन यह वजन वर्ग अब ओलंपिक में शामिल नहीं है। मीराबाई ने पिछले साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। पेरिस ओलंपिक में वह चौथे स्थान पर रही थीं।

वहीं चोटिल होने के कारण वह पिछले एक साल में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले पाई थीं जिस कारण उन्हें लय हासिल करने में भी समय लगा। स्नैच में 84 किग्रा के अपने पहले प्रयास में वह लड़खड़ा गईं। उनके दाहिने घुटने में तकलीफ़ दिखाई दी, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने उतना ही वज़न उठाया। 89 किग्रा का उनका तीसरा प्रयास भी असफल रहा। कोई वास्तविक प्रतिस्पर्धा न होने के कारण मीराबाई असल में खुद से ही मुकाबला कर रही थीं।

मीराबाई ने क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा भार उठाकर शुरुआत की। उन्होंने इसे बढ़ाकर 109 किग्रा कर लिया, लेकिन 113 किग्रा का अपना अंतिम प्रयास पूरा नहीं कर सकीं। मलेशिया की इरीन हेनरी ने 161 किग्रा (73 किग्रा + 88 किग्रा) वजन उठाकर रजत पदक, जबकि वेल्स की निकोल रॉबर्ट्स ने 150 किग्रा (70 किग्रा + 80 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। मीराबाई ने इस तरह से 48 किग्रा में सफल वापसी की। उन्होंने इसी वजन वर्ग में अपना विश्व चैम्पियनशिप खिताब और राष्ट्रमंडल खेलों में दो पदक जीते लेकिन 2018 के बाद वह 49किग्रा वर्ग में चुनौती पेश कर रही थी।

सौम्या दलवी ने जूनियर वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

# एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप: 25मी. पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूकी मनु भाकर, जूनियरों ने मारी बाजी

**शिमकेंट (एजेंसी)।** दो ओलंपिक पदक जीत चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गई और चौथे स्थान पर रही जबकि जूनियर वर्ग में भारतीयों का दबदबा रहा। भारत की ही ईशा सिंह आठ महिलाओ के फाइनल में छठे स्थान पर रही।

मनु ने 25 स्कोर किया और तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की तू विन्ह त्रिन्ह से चार अंक पीछे रही। महिला जूनियर 25 मीटर पिस्टल फाइनल में भारत की पायल खत्री को 36 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक मिला जबकि नाम्या कपूर (30) ने रजत और तेजस्विनी (27) ने कांस्य पदक जीता। इन तीनों ने 1700 अंक के साथ टीम वर्ग में भी रजत पदक अपने नाम किया।

कोरिया को स्वर्ण और कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। नाम्या और तेजस्विनी क्वालीफिकेशन में पहले दो स्थान पर रही जबकि पायल छठे स्थान पर रही थी। इससे पहले सीनियर वर्ग में चीन की यूयू झांग ने स्वर्ण और जियारूइशुआन शियाओ ने रजत पदक जीता। मनु, ईशा और सिमरनप्रीत कौर बरार की भारतीय तिकड़ी ने 1749 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। वे चीन और दक्षिण कोरिया से पीछे रहे। ईशा क्वालीफिकेशन में शीर्ष रही थी जबकि मनु चौथे स्थान पर रही थी।

# एशिया कप से पहले संजू सैमसन ने शतक जड़ा, मुहम्मद आशिक ने रोमांचक मैच में दिलाई जीत

**स्पोर्ट्स डेस्क।** संजू सैमसन ने 51 गेंदों पर 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर बिकी रात को रोशन कर दिया, लेकिन मुहम्मद आशिक के वाह-वाही लूटने में कामयाब रहे क्योंकि जब कोच्चि ब्लू टाइगर्स को एक गेंद पर छह रन की जरूरत थी तो उन्होंने सिक्सर लगाकर रोमांचक जीत दिलाई और एरीज कोल्लम सेलर्स को चार विकेट से हरा दिया। कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने लगातार तीसरी जीत के साथ अपना विजयी अभियान जारी रखा जो अब अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। वहीं एरीज कोल्लम सेलर्स एक जीत और दो हार के साथ चौथे स्थान पर है। 237 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए कोच्चि ब्लू टाइगर्स को आखिरी ओवर में 17 रनों की जरूरत थी। मुहम्मद आशिक ने पहली दो गेंदों पर एक चौका और एक छक्का लगाकर मुकाबले को जीवंत रखा। लेकिन गेंदबाज शराफुद्दीन ने अगली तीन गेंदों पर संयम बनाए रखा और सिर्फ एक बाई रन दिया, जबकि अल्फी फ्रांसिस जॉन रन आउट हो गए। आखिरी गेंद पर छह रन चाहिए थे, ऐसे में मुहम्मद आशिक ने सिक्स लगाकर अपनी टीम के लिए मैच जीत लिया। वह 18 गेंदों पर तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 45 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं इससे पहले संजू सैमसन ने साबित किया कि एशिया कप के लिए उन्हें चुनकर कोई गलती नहीं की है। सैमसन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 14 चौकों और सात छक्कों की मदद से 121 रनों की तूफानी पारी खेलकर गेंदबाजों को मुश्किल में डाल दिया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए एरीज कोल्लम सेलर्स ने 5 विकेट पर 236 रन बनाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज विष्णु विनोद (41 गेंदों पर 94) और सचिन बेबी (44 गेंदों पर 91) ने दूसरे विकेट के लिए 66 गेंदों पर 143 रनों की शानदार साझेदारी की।

# ड्रीम 11 के हटने के बाद नए स्पोंसर की तलाश में बीसीसीआई, जानें एशिया कप से पहले नया प्रायोजक मिलेगा या नहीं

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** फैंटेसी स्पोर्टस कंपनी ड्रीम 11 अब भारतीय क्रिकेट टीम की टाइटल स्पोंसर नहीं है और बोर्ड ने उसके विकल्प की तलाश शुरू कर दी है लेकिन यह अगले महीने एशिया कप से पहले होने की संभावना नहीं है। हाल ही में पारित 'ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक, 2025' के तहत सरकार के वास्तविक धन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने के बाद ड्रीम11 अब भारतीय क्रिकेट टीम का टाइटल प्रायोजक नहीं है।

BCCI सचिव देवाजीत सैकिया ने इसकी पुष्टि की कि ड्रीम11 के साथ करार खत्म हो गया है और BCCI विभिन्न राष्ट्रीय टीमों के लिये नये टाइटल प्रायोजक की तलाश की प्रक्रिया में है। सैकिया ने कहा, 'हमारा रूख स्पष्ट है। नियम बनने के बाद BCCI ड्रीम 11 या अन्य गेमिंग कंपनी के साथ प्रायोजन करार नहीं रख सकती। नए नियम के तहत अब इसकी कोई गुंजाइश ही नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इसलिए हम दूसरे विकल्प तलाश रहे हैं और प्रक्रिया जारी है। हम प्रायोजक की तलाश में है और अभी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। कुछ तय होने पर हम मीडिया को जानकारी देंगे।' क्रिकेट एक ऐसा खेल है जिसमें वास्तविक धन की गेमिंग का चलन काफी बढ़ गया है। भारतीय टीम का टाइटल प्रायोजक ड्रीम 11 था और इंडियन प्रीमियर लीग का आधिकारिक फैंटेसी स्पोर्ट्स भागीदार वास्तविक धन वाला ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म 'माई11 सर्कल' है। ड्रीम 11 ने भारतीय टीम के टाइटल अधिकार लगभग 44 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 358 करोड़ रुपये) में खरीदे थे। उनका करार खत्म होने में अभी एक साल बाकी है लेकिन इसके लिए उन्हें कोई दंड नहीं लगाया जाएगा।

बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, 'BCCI अपने प्रायोजक ही परेशानी को पूरी तरह समझता है। यह उनकी गलती नहीं है और भुगतान में चूक के अन्य मामलों की तरह ड्रीम11 पर कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। यह एक सरकारी नियम है और इसका पूरा पालन जरूरी है और मौजूदा हालात में उनके कारोबार पर असर पड़ेगा।' उन्होंने कहा, 'बोर्ड के लाभ पर भी कुछ समय के लिए असर होगा लेकिन हमें नई योजना बनानी होगी।' अधिकारी ने यह भी कहा कि UAE में एशिया कप में भारत के पहले मैच में सिर्फ 15 दिन बचे है लिहाजा नया प्रायोजक उससे पहले तलाशना कठिन है। उन्होंने कहा, 'प्रक्रिया चल रही है। हमें राष्ट्रीय टीम के टाइटल प्रायोजन के करार के लिए विज्ञापन देना है।

# एशिया कप में भारत को विराट, रोहित की कमी खलेगी : बाजिद

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बाजिद खान ने कहा है कि एशिया के लिए भारतीय टीम काफी अच्छी है पर उसे अनुभवी खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा की कमी महसूस होगी। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अन्य टीमों के खिलाफ अच्छा रहा है पर वह हमारे खिलाफ असफल रहे हैं। बाजिद ने कहा कि सूर्यकुमार पाक के खिलाफ रन नहीं बना पाये हैं। अन्होंने कह, सूर्यकुमार ने तकरीबन हर किसी के खिलाफ रन बनाए हैं परन्तु वक एक बार भी हमारे खिलाफ चल नहीं पाये हैं। अब उसका कारण जो भी रहा हो पर वह प्रभावी रहीं रहे हैं। वहीं टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके विराट और रोहित गैरमौजूदगी को लेकर उन्होंने कहा, देखिए, ये दोनो खिलाड़ी शीर्ष स्तर के हैं। पाक में उनके बराबर का कोई खिलाड़ी नहीं है। विराट और रोहित खेल में तेजी लाते हैं जिसकी कमी आ अहसास भारतीय टीम को जरुर होगा। साथ ही ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा के नहीं होने से भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। उन्होंने कहा, लोग विराट और रोहित के बारे में तो बात करते हैं पर जडेजा ऐसे खिलाड़ी हैं जो टीम की कठिन समय में सहायता करते हैं। भारतीय टीम के पास स्पिनर अक्षर पटेल हैं पर जडेजा के होने से आपको एक बल्लेबाज, एक गेंदबाज और एक बेतरीन क्षेत्ररक्षक भी मिलता है जो खेल को नियंत्रित करता है। वह विश्व क्रिकेट के सबसे बेहतरीन दो क्षेत्ररक्षकों में शामिल रहे हैं। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में होगी। वहीं भारत आर पाक के बीच 14 सितंबर को मुकाबला होगा।

# बुची बाबू टूर्नामेंट की तीसरी पारी में पृथ्वी ने लगाया अर्धशतक

चेन्नई। बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का प्रदर्शन यहां जारी बुची बाबू टूर्नामेंट में मिला-जुला रहा है। अब तक पृथ्वी ने इस टूर्नामेंट में खेली तीन पारियों में एक शतक एक अर्धशतक लगाया है पर एक पारी में वह एक रन ही बना पाये। अपने इस प्रदर्शन से साफ है कि पृथ्वी फार्म हासिल करने के करीब हैं। पृथ्वी ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ कठिन हालातों में 111 रनों की आक्रामक पारी खेली पर दूसरी पारी में वह केवल एक ही रन बना पाए और टीम को जीत भी नहीं दिला पाए, क्योंकि छत्तीसगढ़ की टीम ने यह मुकाबला 35 रनों से अपने नाम कर लिया। वहीं टीएनसीए प्रेसिडेंट्स इलेवन के खिलाफ खेले गए एक अन्य मैच में तमिलनाडु की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 384 रन बनाये थे। इसके जवाब में महाराष्ट्र की ओर से पारी की शुरुआत करने उतरे पृथ्वी ने अच्छी बल्लेबाजी कर टीम को आगे बढ़ाया। पृथ्वी ने 57 गेंदों में 47 रन बनाये और पहली ही गेंद पर तीन रन लेकर अपना अर्धशतक बनाया। पृथ्वी ने 96 गेंदों में 66 रन भी बनाये।

# शाकिब अल हसन के टी20 में 500 विकेट पूरे, इन खिलाड़ियों की लिस्ट में हुए शामिल

एंटीगुआ । शाकिब अल-हसन कैरेबियन प्रीमियर लीग में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स पर एंटीगुआ एंड बारबुडा की जीत के साथ टी20 क्रिकेट में 500 विकेट लेने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। बांग्लादेश के इस ऑलराउंडर ने यह उपलब्धि हासिल करने के मामले में अफगानिस्तान के राशिद खान (660 विकेट), वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो (631) और सुनील नरेन (590) और दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर (554) के साथ संयुक्त रूप से अपना नाम दर्ज कराया है। सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में कम स्कोर वाले मैच में उन्होंने केवल 6 गेंदों में 11 रन देकर 3 विकेट लिए और यह रिकॉर्ड बनाया। पैट्रियट्स ने फाल्कन्स के सामने जीत के लिए 134 रनों का लक्ष्य रखा, क्योंकि उनके अंतिम छह बल्लेबाजों ने केवल 22 रन बनाए। फाल्कन्स ने दो गेंद शेष रहते यह लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें करीमा गोर 47 गेंदों में नाबाद 52 रन बनाकर आउट हुईं। गेंदबाजी के साथ ही शाकिब ने बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन किया और 18 गेंदों में 25 रन बनाकर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान की गेंद पर स्टंप आउट हो गए। इस जीत के साथ फाल्कन्स तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, क्योंकि उन्होंने अपने से नीचे की टीमों की तुलना में कुछ ज्यादा मैच खेले हैं।

# टेस्ट क्रिकेट चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला: रोहित शर्मा

**मुंबई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने टेस्ट करियर के कुछ पहलुओं पर विचार करते हुए सोमवार को कहा कि यह प्रारूप चुनौतीपूर्ण और थका देने वाला है लेकिन उन्होंने अपनी तैयारी पर ध्यान देकर खुद को टेस्ट क्रिकेट में खेलने के लिए तैयार किया। रोहित ने इस साल मई में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने 67 टेस्ट मैच में 40.58 की औसत से 4301 रन बनाए। उन्होंने इससे एक साल पहले टी20 विश्व कप जीतने के बाद क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास ले लिया था। रोहित ने यहां एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, 'यह ऐसी चीज है जिसके लिए आपको तैयारी करनी होती है, क्योंकि इस खेल में आपको लंबे समय तक मैदान पर रहना होता है विशेष कर टेस्ट क्रिकेट में, जिसमें आपको पांच दिन तक खेलना होता है। मानसिक रूप से यह बहुत चुनौतीपूर्ण होता है और थका देने वाला भी। लेकिन सभी क्रिकेटर प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेलते हुए ही बड़े हुए हैं।'

उन्होंने कहा, 'जब हम प्रतिस्पर्धी स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू करते हैं, यहां तक कि मुंबई में भी क्लब क्रिकेट के (मैच) दो दिन (या) तीन दिन तक चलते हैं, इस तरह से हम छोटी उम्र से ही इसके लिए तैयार रहते हैं। इससे आपके सामने आने वाली परिस्थितियों का सामना करना थोड़ा आसान हो जाता है।'

रोहित ने कहा कि सभी युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में अच्छी तैयारी के महत्व को नहीं समझते हैं, लेकिन वे धीरे-धीरे इसका महत्व समझने लगते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप बहुत छोटे होते हैं, तो आप तैयारी के महत्व को नहीं समझते। लेकिन जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपको समझ आता है कि यह आपको एक प्रकार का अनुशासन देता है जिसकी खेल में मांग होती है, इसलिए इसकी शुरुआत तैयारी से होती है, यह समझने से कि आपको वास्तव में क्या करने की जरूरत है।'

रोहित ने कहा, 'जब आप सबसे लंबे प्रारूप में खेल रहे होते हैं तो इसमें काफी कुछ करना पड़ता है और एकाग्रता ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है, क्योंकि आप बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे होते हैं और उसके लिए मानसिक रूप से तरोताजा होना जरूरी है।' उन्होंने कहा, 'बहुत सारा काम पर्दे के पीछे से शुरू होता है। जैसा कि मैंने कहा, तैयारी में। आप मैदान पर लंबे समय तक टिके रहने के लिए खुद को तैयार करते हैं।'

रोहित ने कहा कि उनके लिए भी यह

कोई अलग बात नहीं रही और समय के साथ उन्होंने खुद को तैयार करने के लिए अभ्यास को अधिक समय देना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ भी बिल्कुल ऐसा ही हुआ, जब मैंने मुंबई के लिए खेलना शुरू किया और फिर भारत के लिए खेलने लगा। मेरा ध्यान और समय इस बात पर केंद्रित था कि मैं मैच से पहले कैसे तैयारी करता हूं।'

# नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

न्यूयॉर्क । नोवाक जोकोविच ने यूएस ओपन के पहले दौर में उत्साही किशोर लर्नर टिएन को हराकर प्रतियोगिता के दूसरे दौर में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम की रोशनी में रविवार रात खेले गये पुरुष एकल वर्ग के मुकाबले में सातवीं वरीयता प्राप्त जोकोविच ने 19 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी को दो घंटे 25 मिनट में 6-1, 7-6(3), 6-2 से हराया। विंबलडन के बाद पहली बार खेल रहे 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार शुरुआत की और 24 मिनट के शुरुआती सेट में केवल एक गेम गंवाया। हालांकि रात्रि सत्र में पदार्पण कर रहे टिएन ने जोकोविच को कड़ी टक्कर देते हुए दमदार बेसलाइन खेल और घरेलू दर्शकों के समर्थन से वापसी की और दूसरे सेट में एक सेट प्वाइंट भी हासिल किया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे लगता है कि दूसरे सेट में संयम बनाए रखना और टाईब्रेकर में जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद जरूरी था। इसके बाद मुझे बेहतर महसूस होने लगा। मुझे पता है कि मैं हमेशा बेहतर कर सकता हूं, लेकिन इस साल के अभियान की शुरुआत करने का यह एक शानदार तरीका है।' इस जीत के साथ ग्रैंड स्लैम में पहले दौर में दबदबे का जोकोविच का शानदार रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया है। 2006 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद से उन्होंने किसी भी बड़े टूर्नामेंट के पहले दौर का मैच नहीं गंवाया है। उनकी लगातार 75 जीत है।

# महिला विश्वकप और दक्षिण अफीका सीरीज के लिए पाकिस्तान क्रिकेट टीम घोषित, फातिमा बनी कप्तान

लाहौर । अगले माह के अंत में शुरु हो रहे महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में पाकिस्तान टीम की कप्तानी फातिमा सना करेंगी। इस टूर्नामेंट के पाक की 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम की उपकप्तानी सना को सौंपी गई, जबकि मुनीबा अली सिद्दीकी को मिली है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि विश्व पक से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 16-22 सितंबर तक होने वाले तीन एकदिवसीय मुकाबलों में भी यही टीम भाग लेगी। पीसीबी ने कहा, ये 15 खिलाड़ी पांच रिजर्व खिलाड़ियों के साथ ही 29 अगस्त से शुरू होने वाले 14-दिवसीय प्री-दक्षिण अफ्रीकी सीरीज कैंप में भाग लेंगी। इसके लिए मोहम्मद वसीम के नेतृत्व वाले कोचिंग स्टाफ के मार्गदर्शन में खिलाड़ी अभ्यास कर रहे हैं। बल्लेबाज एयमान फातिमा को इस टीम में अवसर दिया गया है, फातिमा ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट में पदार्पण किया था। इनके अलावा, नतालिया परवेज, रमीन शमीम, सदफ शमास, सादिया इकबाल, शवाल जुल्फिकार और सैयदा अरूब शाह भी टीम में शामिल की गयी हैं। आईसीसी महिला विश्व कप क्वालीफायर में शामिल 15 सदस्यीय टीम में दो बदलाव किए गए हैं। एयमान और सदाफ को गुल फिरोजा और नजीहा अल्वी की जगह मुख्य टीम में शामिल किया गया, जिन्हें तुबा हसन, उम्म-ए-हानी और वहीदा अख्तर के साथ पांच नॉन ट्रैवलिंग-रिजर्व में रखा गया है। महिला विश्व कप 2025 की शुरुआत 30 सितंबर से होने जा रही है। इसमें पाक टीम अपने अभियान की शुरुआत 2 अक्टूबर से करेगी, जिसके बाद 5 अक्टूबर को वह भारतीय टीम से खेलेगी जबकि 8 अक्टूबर को उसका ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला होगा, 15 अक्टूबर को वह इंग्लैंड से सामना करेगी।।

# पुजारा से पहले भी कई दिग्गजों को नहीं मिली थी सम्मानजनक विदाई

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ समय में कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानजनक विदायी नहीं मिल पायी है। अब इसमें एक नाम चेतेश्वर पुजारा का भी जुड़ गया है। पुजारा ने रविवार को खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं इससे पहले आर अश्विन ने भी अचानक की खेल को अलविदा कह दिया था। जिन खिलाड़ियों को विदायी मैच नहीं मिले उनमें पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, वीरेंदर सहवाग, युवराज सिंह जैसे नाम भी शामिल हैं हालांकि इन सभी के बड़े कद और भारतीय जिन्हें स्टेडियम में दर्शकों और प्रशंसकों की भीड़ के बीच क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। ये खिलाड़ी निश्चित तौर पर सम्मानजनक विदाई के हकदार थे।

पुजारा टेस्ट के विशेषज्ञ बल्लेबाज रहे हैं। टीम इंडिया के लिए खेलने की प्रतिबद्धता के कारण उन्होंने मोटी कमाई वाली आईपीएल को भी महत्व नहीं दिया। उन्हें टेस्ट में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण का मिश्रिण कहा जाता था। दिग्गजों का मानना है कि पुजारा को खेल के मैदान से अपने पसंदीदा खेल को अलविदा कहने का मौका मिलना चाहिए था। वहीं तीनों प्रारुपों में भारत के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को भी साल 2020 में विदायी नहीं मिली थी और उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं 2011 वर्ल्ड कप जीत के हीरो युवराज ने तो साल 2019 में विदाई मैच की मांग तक की थी पर बीसीसीआई ने उसे ठुकरा दिया था। टीम चयन में लगातार उपेक्षा के बाद युवराज ने खेल को अलविदा कह दिया था। सहवाग ने साल 2013 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने 2 साल तक इंतजार किया कि उन्हें मैदान में क्रिकेट को अलविदा कहने का मौका मिल जाए पर उन्हें सम्मानजनक विदाई नहीं मिली। वहीं वीवीएस लक्ष्मण ने साल 2012 में कुछ दिन पहले ही संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं जहीर खान, हरभजन सिंह, गौतम गंभीर का भी कोई विदायी मैच नहीं मिला था।

# अमेरिकी ओपन : जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंची अजारेंका सहित ये तीन खिलाड़ी

न्यूयॉर्क । विक्टोरिया अजारेंका, जेसिका पेगुला और जैस्मिन पाओलिनी अमेरिकी ओपन टेनिस के महिला एकल के दूसरे दौर में पहुंच गयी हैं। इन तीनों ने ही अपने-अपने मुकाबले आसानी से जीते। अजारेंका ने अमेरिकी क्वालीफायर हीना इनोउए को 7-6(0), 6-4 से हराया। अजारेंका ने दो घंटे चार मिनट तक चले मुकाबले में 35 विनर्स लगाए, जबकि इनोउए के 14 विनर्स थे। विंबलडन के बाद पहला मैच खेल रहीं अजारेंका ने अमेरिकी ओपन में अपना 49वां मुकाबला जीता है। अब दूसरे दौर में उनका सामना अनास्तासिया पावल्युचेंकोवा या दयाना यास्त्रेम्स्का के बीच होने वाले मैच की विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं पेगुला ने मिस्र की मेयर शेरिफ को 6-0, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। अब पेगुला का मुकाबला एन्ना ब्लिंकोवा से होगा, जिन्होंने पहले दौर के एक अन्य मुकाबले में यूलिया स्टारोडुबत्सेवा को 6-3, 6-1 से पराजित किया। पेगुला और शेरिफ के बीच खेले गए इस मुकाबले में पेगुला ने अच्छी शुरुआत कर पहला सेट 6-0 से जीता। वहीं दूसरे सेट में शेरिफ ने अपनी लय पकड़ी और अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस तोड़कर 4-1 की बढ़त बना ली। इसके बाद पेगुला ने अपनी लय वापस पाते हुए जीत हासिल की। एक मुकाबले में पाओलिनी ने क्वालीफायर डेस्टेनी ऐवा को 6-2, 7-6(4) से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। पहला सेट 6-2 से जीतने के बाद, पाओलिनी को दूसरे सेट में काफी संघर्ष करना पड़ा। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाकर सेट को टाईब्रेकर में पहुंचाया।

# सेबी ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में पब्लिक शेयरहोल्डर माना, सख्त शर्तें भी लगाईं

## एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिली

**नई दिल्ली।**

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एलआईसी को आईडीबीआई बैंक में अपनी बची हुई हिस्सेदारी के साथ पब्लिक शेयरहोल्डर के रूप में दोबारा शामिल होने की मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी बैंक के रणनीतिक विनिवेश प्रक्रिया पूरी होने के बाद दी गई है। आईडीबीआई बैंक ने इस संबंध में बीएसई को जानकारी दी है और बताया कि निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) ने सेबी के इस फैसले की सूचना दी है। सेबी ने एलआईसी को अपनी हिस्सेदारी के वोटिंग राइट्स 10 फीसदी से ज्यादा इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी है। इसके अलावा एलआईसी को बैंक के मामलों में सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह का नियंत्रण रखने की अनुमति नहीं होगी। एलआईसी बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में न तो कोई प्रतिनिधि भेज सकेगी और न ही कोई नॉमिनी रख सकेगी। साथ ही एलआईसी को बैंक के साथ कोई विशेष अधिकार, जैसे शेयरहोल्डर समझौते या अन्य सुविधाएं, नहीं दी जाएंगी। यदि एलआईसी इन शर्तों का पालन नहीं करती है, तो उसका पब्लिक शेयरहोल्डर का

दर्जा समाप्त हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी शर्त लगाई है कि एलआईसी को अपनी बची हुई हिस्सेदारी दो साल के अंदर 15 फीसदी या उससे कम करना होगा। वर्तमान में केंद्र सरकार और एलआईसी मिलकर आईडीबीआई बैंक में लगभग 95 फीसदी हिस्सेदारी रखते हैं, जिसमें से 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री के लिए रखी गई है।

आईडीबीआई बैंक ने बताया है कि योग्य खरीदारों ने ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो सितंबर तक पूरी होने की संभावना है।

# एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान में रखेगी न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की आधारशिला

## - कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया

**नई दिल्ली ।**

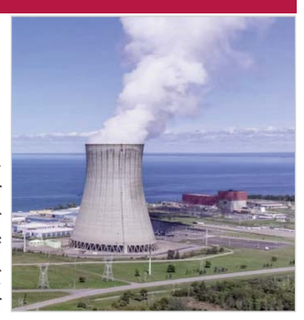

बिजली उत्पादन की प्रमुख सरकारी कंपनी एनटीपीसी अगले महीने राजस्थान के बांसवाड़ा में 2,800 मेगावाट की न्यूक्लियर पावर परियोजना की आधारशिला रखेगी। इस परियोजना में चार प्रेशराइज्ड हेवी वॉटर रिएक्टर शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 700 मेगावाट होगी। यह एनटीपीसी के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश का पहला बड़ा कदम है। एनटीपीसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने ब्लूमबर्ग एनईएफ समिट में बताया कि कंपनी ने परमाणु ऊर्जा में आक्रामक विस्तार करने का निर्णय लिया है। उनका लक्ष्य है कि 2047 तक एनटीपीसी के पोर्टफोलियो में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता जोड़ी जाए। एनटीपीसी इस दिशा में एनपीसीएल के साथ मिलकर भी काम कर रही है। राजस्थान के माही बांसवाड़ा परियोजना को एनपीसीआईएल के साथ ज्वाइंट वेंचर अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड के तहत स्थापित किया जाएगा, जिसमें एनटीपीसी की हिस्सेदारी 49 प्रतिशत होगी। एनटीपीसी इस परियोजना के अलावा स्वतंत्र परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी स्थापित करने की योजना बना रहा है। परियोजना की पहली यूनिट 2031 तक चालू होने की उम्मीद है, जबकि पूरा प्लांट 2036 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। केंद्र सरकार ने इस क्षेत्र के विकास के लिए पिछले बजट में लगभग 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। एनटीपीसी कई बड़े तकनीकी और सेवा प्रदाताओं जैसे टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स, रोसाटॉम और होल्टेक के साथ साझेदारी कर रहा है। वर्तमान में भारत की स्थापित परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता 8,800 मेगावाट है, जिसे सरकार 2047 तक बढ़ाकर 200 गीगावाट करने का लक्ष्य रखती है। एनटीपीसी का यह कदम देश के स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से विकास का संकेत है और भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करेगा।

# अमेरिका ने ली चिप कंपनी में 10 फीसदी हिस्सेदारी, 8.9 अरब डॉलर का किया निवेश

**नई दिल्ली।** अमेरिका सरकार ने टैरिफ के बीच एक बड़ी डील की है। यह डील दिग्गज चिप मेकर कंपनी इंटेल और यूएस सरकार के बीच हुई है। अमेरिकी सरकार ने संघर्षरत चिप निर्माता कंपनी इंटेल में करीब 10 फीसदी हिस्सेदारी ले ली है और इसमें 8.9 अरब डॉलर का निवेश किया है। यह घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप और इंटेल ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से की है। इस समझौते को लेकर ट्रंप ने कहा- इट्स ए ग्रेट डील।

बता दें इंटेल ने 2025 में 25,000 नौकरियों में कटौती की योजना बनाई है। जुलाई में नए सीईओ लिप-बू टैन ने चेतावनी दी थी कि अब कोई खाली चेक नहीं है। ट्रंप ने इस समझौते की घोषणा करते हुए ट्रुथ सोशल पर घोषणा पर लिखा- मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब इंटेल के 10 फीसदी हिस्से का पूर्ण स्वामित्व और नियंत्रण रखता है, जो एक महान अमेरिकी कंपनी है और जिसका भविष्य और भी शानदार है। इसमें टैक्स प्रेयर का कोई खर्च नहीं आया। उन्होंने लिखा- अमेरिका ने इन शेयरों के लिए कुछ भी भुगतान नहीं किया और अब इन शेयरों का मूल्य करीब 11 अरब डॉलर है। यह अमेरिका के लिए और इंटेल के लिए भी एक बड़ा सौदा है।

अमेरिकी सरकार को यह हिस्सेदारी पहले जारी किए गए 11.1 अरब डॉलर के फंड और गिरवी रखे गए शेयरों के ट्रांसफर के जरिए मिल रही है। कुल मिलाकर ट्रंप सरकार को 433.3 मिलियन गैर-वोटिंग शेयर मिल रहे हैं। इन शेयरों की कीमत जिनकी कीमत 20.47 डॉलर प्रति शेयर है। शुक्रवार को बाजार बंद भाव 24.80 डॉलर से कम है। अमेरिकी सरकार को पहले ही 1.9 अरब डॉलर का लाभ हो चुका है।

बता दें इस घटनाक्रम के कारण अमेरिकी सरकार इंटेल के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक बन गई है, जबकि सांता क्लारा, कैलिफोर्निया स्थित यह कंपनी विभिन्न सीईओ के कार्यकाल में वर्षों से चली आ रही गलतियों से उबरने के अपने नवीनतम प्रयास के तहत 25000 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की प्रक्रिया में है।

# जीएसटी कटौती की अटकलों से वाहन बिक्री पर ब्रेक, त्योहारी सीजन पर संकट

## - अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहन बुकिंग में 25 फीसदी तक गिरावट

**नई दिल्ली ।** त्योहारी सीजन की शुरुआत से पहले वाहन उद्योग को झटका लगा है। अगस्त के दूसरे पखवाड़े में वाहनों की बुकिंग और ग्राहक पूछताछ में लगभग 25 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डीलरों का कहना है कि जीएसटी दरों में संभावित कटौती के चलते ग्राहक फिलहाल अपनी खरीद टाल रहे हैं, जिससे बिक्री पर सीधा असर पड़ा है। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के प्रतिनिधियों ने हाल ही में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की और जीएसटी को लेकर फैली अनिश्चितता के कारण व्यापार में आ रही सुस्ती पर चिंता जताई। फाडा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि उन्होंने मंत्री से अपील की है कि सरकार जल्द स्थिति स्पष्ट करे, ताकि त्योहारी सीजन में डीलरों को भारी नुकसान न उठाना पड़े। इस बीच, बिक्री बढ़ाने के लिए कंपनियां और डीलर 1.5 से 2 लाख रुपये तक की छूट और फाइनैंस ऑफर दे रहे हैं। टाटा मोटर्स जैसे ब्रांड ओणम बुकिंग पर विशेष लाभ दे रहे हैं। फिर भी डीलरों का कहना है कि गणेश चतुर्थी और ओणम सीजन का उत्साह फीका रहा, और कुछ स्थानों पर बिक्री 10-15 फीसदी तक घट गई है।

जीएसटी परिषद की बैठक 3 सितंबर को प्रस्तावित है। यदि दीवाली से पहले जीएसटी में कटौती लागू होती है, तो उद्योग को राहत मिल सकती है। हालांकि, तब तक अगस्त और सितंबर की बिक्री पर असर पड़ना तय माना जा रहा है।

# अस्थिर वैश्विक माहौल में बैंकों, कंपनियों को निवेश चक्र बनाने एक साथ आना चाहिएः आरबीआई गवर्नर

## - केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि भारत एक अस्थिर वैश्विक आर्थिक माहौल से गुजर रहा है और ऐसे समय में बैंकों और कॉरपोरेट क्षेत्र को मिलकर निवेश चक्र को सशक्त करना चाहिए।

वे मुंबई में आयोजित वार्षिक बैंकिंग सम्मेलन एफआईबीएसी 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

गवर्नर ने कहा कि आज जब बैंकों और कंपनियों की वित्तीय स्थिति मजबूत है, यह उपयुक्त समय है कि वे साथ मिलकर निवेश और विकास को गति दें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि विनियमित संस्थाएं और आरबीआई भले ही अलग-अलग दृष्टिकोण से काम करते दिखें, लेकिन दोनों का साझा लक्ष्य आर्थिक स्थिरता और समावेशी विकास है। मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक वित्तीय प्रणाली की दक्षता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और वह उभरते क्षेत्रों में ऋण विस्तार के उपायों पर विचार कर रहा है।

इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी अपनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और मशीन लर्निंग जैसी तकनीकों को अपनाकर बैंकिंग सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारत को नए विकास के अवसर तलाशने होंगे। इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा।

आरबीआई मूल्य स्थिरता को प्राथमिकता देते हुए विकासोन्मुख नीतियों का संचालन करता रहेगा।

## रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 87.56 पर बंद हुआ। सकारात्मक घरेलू संकेतों के बीच आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 18 पैसे मजबूत होकर 87.34 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.38 पर खुला और फिर बढ़त दर्ज करते हुए 87.34 प्रति डॉलर पर आ गया। यह शुक्रवार के बंद भाव 87.52 से 18 पैसे की मजबूती दिखाता है। इस मजबूती का प्रमुख कारण घरेलू शेयर बाजारों में जारी तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 285.62 अंकों की बढ़त के साथ 81,592.47 पर पहुंचा, जबकि एनएसई निफ्टी 91.25 अंकों की तेजी के साथ 24,961.35 पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉलर सूचकांक भी 0.15 फीसदी बढ़कर 97.86 पर आ गया, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दर्शाता है। वहीं, कच्चे तेल की कीमतों में भी मामूली बढ़त देखी गई। ब्रेंट क्रूड 0.10 फीसदी चढ़कर 67.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

## वुडनस्ट्रीट ने यू निकॉमर्स से मिलाया हाथ

**मुंबई ।** वुडनस्ट्रीट ने अपने ऑर्डर और वेयरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम को यू निकॉमर्स के प्रमुख प्लेटफॉर्म यू निवेयर के साथ इंटीग्रेट करने की घोषणा की है। यह साझेदारी वुडनस्ट्रीट को ऑर्डर को नजदीकी वेयरहाउस में असाइन कर डिलीवरी समय और लागत को कम करने में मदद करेगी। यू निवेयर की मल्टी-पार्ट शिपमेंट सुविधा से एक ही ऑर्डर को कई शिपमेंट में बांटना संभव होगा, जिससे तेजी से डिलीवरी होगी। साथ ही यू निकॉमर्स का मार्केटप्लेस रिकंसिलिएशन टूल यू निरेको पेमेंट और रिटर्न प्रबंधन को ऑटोमेट करेगा, जिससे रेवेन्यू का सटीक ट्रैकिंग संभव होगा। वुडनस्ट्रीट के एक अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी उनकी ऑनलाइन ऑपरेशंस की दक्षता बढ़ाएगी।

## देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा, नया रिकॉर्ड 695.10 अरब डॉलर पर पहुंचा

### - वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत की वित्तीय स्थिरता में आई मजबूती

**नई दिल्ली ।** अर्थव्यवस्था के लिए राहत की खबर है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ताज़ा साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार 15 अगस्त को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 1.48 अरब डॉलर बढ़कर 695.10 अरब डॉलर के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में दर्ज की गई है जब वैश्विक बाजारों में डॉलर की मांग और आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है। हालांकि इस सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां (एफसीए) 2.16 अरब डॉलर घटकर 585.90 अरब डॉलर रह गईं। इसके विपरीत विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 41 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह 18.782 अरब डॉलर हो गया। वहीं आईएमएफ के साथ भारत की आरक्षित स्थिति 15 मिलियन डॉलर बढ़कर 4.754 अरब डॉलर पर पहुंच गई। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में बताया कि वर्तमान भंडार देश के लगभग 11 महीने के आयात को कवर करने में सक्षम है, जो एक मजबूत आर्थिक सुरक्षा का संकेत है। पिछले वर्ष 2024 में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 20 अरब डॉलर से अधिक की वृद्धि हुई थी, जबकि वर्ष 2025 में अब तक कुल 53 अरब डॉलर की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। यह विदेशी निवेशकों के लिए विश्वास का संकेत है और रुपये को स्थिर रखने में सहायक है।

## जून में कोयला आयात बढ़ा, घरेलू उत्पादन में गिरावट

### - सरकार ने आपूर्ति सुनिश्चित करने का दिया भरोसा

**मुंबई ।** टाटा स्टील और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के संयुक्त उपक्रम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के अनुसार जून 2025 में भारत का कोयला आयात बढ़कर 2.39 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वर्ष जून में 2.29 करोड़ टन था। इसमें गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.48 करोड़ टन और कोकिंग कोयले का आयात 57.8 लाख टन रहा। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का कुल आयात 4.90 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 4.91 करोड़ टन था। वहीं कोकिंग कोयले का आयात बढ़कर 1.63 करोड़ टन हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2024 में यह 1.54 करोड़ टन था। दूसरी ओर, कोल इंडिया लिमिटेड का कोयला उत्पादन जून में 8.5 फीसदी घटकर 5.78 करोड़ टन रह गया, जबकि जून 2024 में यह 6.31 करोड़ टन था। हालांकि कंपनी ने उत्पादन में गिरावट का कारण नहीं बताया, लेकिन उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि **मानसून के कारण खदानों में कार्य बाधित होता है जिससे उत्पादन घटता है। इस स्थिति को देखते हुए कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि देश को कोयले की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि सरकार बिजली क्षेत्र सहित सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

# हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

## सेंसेक्स 329 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

**मुंबई।**

अमेरिकी फेडरल की ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच सोमवार को शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। आईटी की शेयरों में भारी खरीदारी हुई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे गिरकर 87.58 (अनंतिम) पर बंद हुआ।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 329.06 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 81,635.91 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 492.21 अंक या 0.60 प्रतिशत बढकर 81,799.06 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,967.75 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों में इंफोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, सन फार्मा, मारुति और टाइटन प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक पिछडने वाले शेयरों में शामिल रहे।

यूरोपीय बाजारों में दिखी गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोप के बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी से ऊपर बंद हुए। डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.89 प्रतिशत, नैस्डैक कंपोजिट 1.88 प्रतिशत और एसएंडपी 500 1.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

**फेड ब्याज दरों में कटौती का असर**

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सितंबर में फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती और उसके बाद अमेरिका में 10 साल की ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से घरेलू बाजार में आशावाद की लहर दौड़ गई। अनुकूल वैश्विक धारणा से उत्साहित होकर आईटी सूचकांक ने बेहतर प्रदर्शन किया।

उन्होंने आगे कहा कि उपभोग मांग को बढ़ाने के लिए प्रस्तावित जीएसटी युक्तिकरण से घरेलू स्तर पर सकारात्मक रुख बना हुआ है। अच्छा मानसून वैश्विक व्यापार वातावरण में किसी भी अनिश्चितता से निपटने में काम आ सकता है।

## यूनिसन मेटल्स का बड़ा फैसला, शेयर होंगे 10 हिस्सों में

### - स्टॉक स्प्लिट के जरिए यूनिसन मेटल्स निवेशकों को देगी अधिक लिक्विडिटी का लाभ

**नई दिल्ली ।** आयरन और स्टील उत्पाद बनाने वाली कंपनी यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 10=1 के अनुपात में बांटने का निर्णय लिया है। कंपनी ने एक्सचेंज को इसकी जानकारी दी। इस फैसले के तहत यूनिसन मेटल्स के 10 रुपए फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 10 शेयरों में विभाजित हो जाएंगे। यानी हर एक पुराने शेयर के बदले अब निवेशकों को दस नए शेयर मिलेंगे। कंपनी का यह फैसला शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने और छोटे निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से लिया गया है। गौरतलब है कि यूनिसन मेटल्स ने इससे पहले 2021 में बोनस शेयर भी जारी किए थे। उस समय निवेशकों को 1 के बदले 4 बोनस शेयर दिए गए थे। हालांकि, कंपनी ने अब तक कभी भी डिविडेंड का भुगतान नहीं किया है। सोमवार को बाजार खुलने पर यूनिसन मेटल्स के शेयर में हल्की तेजी देखी गई और यह 24.74 रुपए के स्तर पर पहुंच गया, जो दिन का उच्चतम स्तर रहा। साल 2025 में अब तक यह स्टॉक करीब 17 फीसदी गिर चुका है, जबकि पिछले एक वर्ष में भी इसमें 7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले 5 वर्षों में स्टॉक ने 132 फीसदी रिटर्न दिया है, जो सेंसेक्स के 111.55 फीसदी से बेहतर है।

# सोने की चमक हुई फीकी, चांदी भी लुढ़की

## - 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए, चांदी 1,16,002 प्रति किलो

**नई दिल्ली।**

अमेरिकी केंद्रीय बैंक (यूएस फेड) की ओर से ब्याज दरों में कटौती के संकेत के बाद वैश्विक स्तर पर निवेश धारणा में बदलाव आया है। जहां एशियाई और भारतीय शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है, वहीं सुरक्षित निवेश विकल्प माने जाने वाले सोने और चांदी की मांग में गिरावट आई है। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमत में 57 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। अब 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना प्रति 10 ग्राम 1,00,327 रुपए पर कारोबार कर रहा है, जबकि शुक्रवार को यह 1,00,384 रुपए पर था। इसके साथ ही इंडियन बुलियन एसोसिएशन के अनुसार, शुक्रवार को सोने का भाव 99,360 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं चांदी के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। (एमसीएक्स) पर यह 1,16,002 प्रति किलो के भाव पर बिक रही है, जो शुक्रवार के 1,16,236 से 234 रुपए कम है। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉलर-रुपया विनिमय दर, वैश्विक आर्थिक संकेत, आयात शुल्क, जीएसटी और घरेलू मांग जैसे कारक सोने-चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। भारत में त्योहारी और वैवाहिक सीजन में सोने की मांग बढ़ती है, जिससे कीमतें ऊपर जाती हैं। लेकिन फिलहाल बाजार में निवेशकों का रुझान इक्विटी जैसे जोखिम वाले निवेश की ओर बढ़ा है। अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता होने पर सोने को निवेश का सुरक्षित विकल्प माना जाता है, लेकिन जब बाजार स्थिर और मुनाफे की ओर होता है, तब लोग सोने से दूरी बना लेते हैं और यही मौजूदा गिरावट का मुख्य कारण माना जा रहा है।

## त्योहारों से पहले फ्लिपकार्ट देगी 2.2 लाख नौकरियां

**नई दिल्ली ।** ई-कॉमर्स क्षेत्र की अग्रणी कंपनी फ्लिपकार्ट ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर देशभर में 2.2 लाख से अधिक रोजगार देने की घोषणा की है। ये नौकरियां आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और अंतिम छोर तक डिलीवरी से जुड़ी होंगी। कंपनी का कहना है कि वह 28 राज्यों में भर्ती कर रही है और साथ ही छोटे व मझोले शहरों में 650 नए त्योहारी आपूर्ति केंद्र भी खोलेगी। इसका उद्देश्य त्योहारों के दौरान बढ़ती मांग को पूरा करना और ग्राहकों को तेज़ व समय पर डिलीवरी देना है। फ्लिपकार्ट के इस कदम से स्थानीय युवाओं को रोजगार और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। इसके साथ ही ग्राहकों को बेहतर सेवा अनुभव प्राप्त होगा। यह घोषणा त्योहारों से पहले ई-कॉमर्स क्षेत्र में बड़ी हलचल का संकेत है।

## फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान' के प्रोड्यूसर पर भड़के अनुराग कश्यप

बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप अपने बेबाक बयानों के लिए हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उन्होंने निशाना साधा है आने वाली एआई-जनरेटेड फिल्म 'चिरंजीवी हनुमान – द इटरनल' पर। यह फिल्म अबंडेंटिया एंटरटेनमेंट और कलेक्टिव मीडिया नेटवर्क के हिस्ट्रीवर्स द्वारा घोषित की गई है और दावा किया जा रहा है कि यह भारत की पहली बड़ी मेड इन एआई मेड इन इंडिया फिल्म होगी, जिसकी रिलीज हनुमान जयंती 2026 पर तय की गई है।

कलेक्टिव आर्टिस्ट नेटवर्क के फाउंडर-सीईओ और फिल्म के निर्माता विजय सुब्रमण्यम पर अनुराग कश्यप आगबबूला हो गए। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर सीधे विजय को आड़े हाथों लिया। अनुराग ने लिखा कि एक तरफ वो कलाकारों, लेखकों और निर्देशकों का प्रतिनिधित्व करते हैं और दूसरी तरफ एआई से बनी फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। कश्यप के मुताबिक, ये उन रचनाकारों के हितों से सीधा विश्वासघात है, जिनकी मेहनत और प्रतिभा पर ये एजेंसियां टिकी हुई हैं। पैसे के लिए सबकुछ- कश्यप का आरोप अनुराग ने अपने नोट में एजेंसियों पर यह आरोप भी लगाया कि उनका मकसद केवल पैसे कमाना है। उन्होंने कहा कि जब कलाकार उनके लिए पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पाते, तो ये एजेंसियां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सहारा ले लेती हैं। उन्होंने कहा, जिस किसी भी अभिनेता या कलाकार में आत्मसम्मान है, उसे इस एजेंसी से सवाल करना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए।

### फिल्म इंडस्ट्री में बढ़ती बेचैनी

अनुराग कश्यप के अलावा निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने ने भी इस प्रोजेक्ट पर तंज कसा। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म की घोषणा शेयर करते हुए लिखा – तो अब शुरुआत हो गई. जब सबकुछ एआई करेगा तो लेखकों और निर्देशकों की जरूरत किसे है?

### विजय सुब्रमण्यम ने दिया जवाब

हालांकि, विजय सुब्रमण्यम ने इन आलोचनाओं पर अपना पक्ष भी रखा। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि इस फिल्म का उद्देश्य परंपरा और नवाचार को जोड़ना है। उनका दावा है कि इस प्रोजेक्ट में सांस्कृतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए पारदर्शिता से काम किया जा रहा है और दर्शकों को यह साफ तौर पर बताया जाएगा कि रचनात्मक प्रक्रिया में एआई की क्या भूमिका है।

# सन ऑफ सरदार 2 को मिली प्रतिक्रिया पर कुब्रा सैत ने जताई खुशी

**अभिनेत्री कुब्रा सैत जल्द ही काजोल के साथ 'ट्रायल सीजन 2' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में काम किया था। बातचीत में कुब्रा ने विस्तार से चर्चा की।**

### पहली मीटिंग के बाद ही 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए तैयार हो गई थीं कुब्रा

अजय देवगन के साथ 'सन ऑफ सरदार 2' में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए कुब्रा ने बताया कि मुझे याद है पहली मीटिंग डायरेक्टर और टीम के साथ हुई थी। तभी लगा कि मेरा किरदार बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैं चाहती थी। स्क्रिप्ट देखकर बहुत अच्छा लगा और महसूस हुआ कि मैं इसे सही तरीके से निभा सकती हूं। हां, शूटिंग और वीजा की तैयारियां थोड़ी तनावपूर्ण थीं, लेकिन शुरुआत से ही बहुत खुशी और उत्साह था। हर दिन सेट पर कुछ नया और मजेदार होता था। 'सन ऑफ सरदार 2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। हालांकि, कुब्रा फिल्म की रिलीज के बाद बहुत खुश हैं। उनका कहना है कि फिल्म देखकर लोग हंसे, फिल्म ने परिवारों को एक साथ जोड़ा। मेरे लिए सबसे बड़ा इनाम यह था कि शूटिंग के दौरान जितना मजा आया, वही ऑडियंस तक भी पहुंचा। यह सफर सिर्फ फिल्म बनाने का नहीं, बल्कि हंसी, खुशी और यादगार पल बनाने का भी था। मैं बहुत गर्व महसूस करती हूं कि इसका हिस्सा बन सकी।

### इंडस्ट्री में आया बड़ा बदलाव

कुब्रा इंडस्ट्री में पिछले पंद्रह साल से काम कर रही हैं। इस दौरान अपने इंडस्ट्री के अनुभव और अपनी यात्रा को लेकर एक्ट्रेस कहती हैं कि शुरुआत में जब मैं बॉम्बे आई थी, तो मेरे पास किसी का नंबर नहीं था और इंडस्ट्री बहुत बड़ी और अलग लगती थी। आज सोशल मीडिया ने दुनिया को छोटा कर दिया है। अब शहर में अकेला या अजनबी नहीं लगता, बल्कि एक तरह से परिचित लगता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ा बदलाव है।

### धीरे-धीरे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना सीख रही हूं

कुब्रा ने अपने कठिन किरदारों के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसे किरदार आए जो मुझे पहली बार देखकर उत्साहित नहीं कर रहे थे, लेकिन फिर भी मैंने उन्हें निभाया। जैसे 'फाउंडेशन' में फारा का किरदार, सीरीज 'इल्लीगल' में मेहर सलाम और 'शहर लखोट' में पल्लवी। पहले मैं ऐसे किरदारों के बाद जल्दी हिम्मत हार जाती थी, लेकिन अब धीरे-धीरे सीख रही हूं कि उनके इमोशंस को महसूस करना है बिना खुद टूटे। कठिन किरदार हमारे धैर्य और ताकत को परखते हैं और मुझे हर नए किरदार के लिए तैयार करते हैं।

### हमें किरदार को इंटरेस्टिंग बनाना चाहिए

स्टीरियोटाइप और टाइपकास्ट होने को लेकर अभिनेत्री का कहना है कि कभी-कभी लोग आपको एक ही तरह के किरदार में देखते हैं। लेकिन अगर स्क्रिप्ट में समानताएं हों, तो हम अपने तरीके से उसे ताजा और इंटरेस्टिंग बना सकते हैं। यही कला है और काम करने की असली खुशी है।

## टॉक्सिक में जानबूझकर रुक्मिणी वसंत की एंट्री को गुपचुप रखा गया था

यश की टॉक्सिक – ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में पाँचवीं हीरोइन कौन होगी, इस सस्पेंस का परदा अब हट चुका है। खबर पक्की है कि एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत शुरू से ही फिल्म का हिस्सा थीं, बस मेकर्स ने जानबूझकर उनकी एंट्री को गुपचुप रखा था। सूत्रों की मानें तो रुक्मिणी ने पहले ही मुंबई शेड्यूल में यश के साथ कई सीन शूट कर लिए हैं और अब उनके हिस्से की बस कुछ दिन की शूटिंग बाकी है। सूत्रों ने बताया – फिल्म की कहानी हमेशा से दमदार फीमेल किरदारों पर टिकी हुई है और रुक्मिणी का रोल भी उतना ही स्ट्रॉन्ग है। वो कहानी में जबरदस्त असर लेकर आती हैं। टीम चाहती थी कि ये सरप्राइज़ आखिर तक बना रहे, इसलिए उनका नाम अभी तक छुपाया गया था। अब रुक्मिणी भी जुड़ गई हैं टॉक्सिक की शानदार हीरोइनों की लाइन-अप में — जिसमें पहले से ही कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसी स्टार्स शामिल हैं। हर कोई फिल्म के नैरेटिव को और गहराई देने वाला है। गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी रही ये फिल्म फिलहाल मुंबई में शूट हो रही है और इसका वर्ल्डवाइड रिलीज़ डेट फिक्स है – 19 मार्च 2026। साथ ही ये एक माइलस्टोन भी है क्योंकि टॉक्सिक पहली बड़ी फिल्म है जो एक साथ कन्नड़ और इंग्लिश में शूट हो रही है और फिर हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में डब होकर रिलीज़ होगी। कन्नड़ इंडस्ट्री से ताल्लुक रखने वाली रुक्मिणी वसंत पहले ही सप्त सागरदाचे एलो से तारीफें बटोर चुकी हैं। उनके पास आगे भी मधरासी, कंतारा चैप्टर 1 और एनटीआर नील जैसी फिल्में हैं, जिससे वो इंडस्ट्री की सबसे बिज़ी और चर्चित यंग एक्ट्रेस बन चुकी हैं। टॉक्सिक – ए फेयरीटेल फ़ॉर ग्रोन-अप्स का प्रोडक्शन वेंकट के. नारायण (केवीएन प्रोडक्शंस) और यश (मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन्स) मिलकर कर रहे हैं।

## नीरू बाजवा ने इस तरह की फिल्म तेहरान की तैयारी

अभिनेत्री नीरू बाजवा ने अपनी फिल्म तेहरान में अपने किरदार की तैयारी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि उन्होंने ज्यादा रिहर्सल या मेथड एक्टिंग नहीं की, बल्कि एक सहज और स्वाभाविक तरीका अपनाया। उन्होंने कहा, मैंने कोई तयशुदा तैयारी प्रक्रिया नहीं अपनाई। मैंने सिर्फ स्पाई फिल्मों को देखकर समझा कि ऐसे किरदार किस तरह चलते-फिरते हैं, उनकी बॉडी लैंग्वेज कैसी होती है और वे खुद को कैसे पेश करते हैं। बाजवा का मानना है कि इस तरह का ऑब्ज़र्वेशन करने से उन्हें सेट पर प्राकृतिक रूप से ढलने और किरदार को असली अंदाज़ में निभाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, फिल्म की शूटिंग के दौरान सहयोगी माहौल का भी ज़िक्र किया और अपने सह-कलाकार जॉन अब्राहम की तारीफ की। उन्होंने कहा जॉन बहुत ही विनम्र और सकारात्मक रहे। वे हमेशा ध्यान रखते थे कि सेट पर हर कोई आरामदायक महसूस करे। उसी माहौल की वजह से हम सभी की परफॉर्मेंस बेहतर हुई। अपनी सहजता, ऑब्ज़र्वेशन और टीम के सपोर्ट से बाजवा का मानना है कि उनका तेहरान का किरदार बेहद नैचुरल तरीके से सामने आया।

## प्रभास बहुत बड़े स्टार, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी

अभिनेत्री श्रीदेवी विजयकुमार निर्देशक वेंकटेश निम्मालापुडी की अपकमिंग तेलुगु फिल्म सुंदरकांड में नारा रोहित के साथ मुख्य भूमिका में फिर से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी दोस्ती आज भी प्रभास के साथ वैसी ही है जैसी पहली थी। अभिनेत्री ने सुपरस्टार प्रभास की तारीफ की। उन्होंने बताया कि भले ही प्रभास आज बड़े पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं, लेकिन उनकी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। श्रीदेवी विजयकुमार ने प्रभास के साथ उनकी पहली फिल्म ईश्वर में उन्होंने मुख्य नायिका के रूप में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन जयंत सी. परांजी ने किया था। सुंदरकांड के प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्रीदेवी से प्रभास के साथ उनकी दोस्ती के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, प्रभास के साथ मेरी दोस्ती आज भी पहले जैसी ही है। प्रभास अब एक बड़े स्टार बन चुके हैं, लेकिन वे जरा भी नहीं बदले। श्रीदेवी ने बताया कि प्रभास आज भी वैसे ही मुस्कुराते हैं और उसी मासूमियत से बात करते हैं जैसे पहले किया करते थे।

## नक्सलवादी नहीं काले रंग के कारण फिल्म से निकाला

**पांच दशकों का लंबा करियर, चार राष्ट्रीय पुरस्कार, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित जाने -माने कलाकार मिथुन चक्रवर्ती जितने विविधरंगी डकार रहे, उतने ही बेबाक और बिंदास। इन दिनों वे चर्चा में हैं विवादास्पद फिल्म द बंगाल फाइल्स से। इस मुलाकात में वे फिल्म, विवादास्पद बयान, संघर्ष, काले रंग के कारण हुए भेदभाव,अपने नक्सली अतीत जैसे मुद्दों पर अपने अंदाज में दिल खोल कर बातें करते हैं।**

**पचास साल के अपने करियर में आपने सिनेमा को लगातार संवारा है, आज पलट कर देखते हैं, तो कैसा लगता है?**

ऐसा ही लगता है कि इतने साल कैसे हो गए? एक समय मैं स्ट्रगलर था, फिर स्ट्रगलर से सुपरस्टार बना। इतने सारे अवॉर्ड्स और फिर दादा साहेब फाल्के अवॉर्ड, लेकिन मैं अपने आप को शुरू का मिथुन चक्रवर्ती ही मानता हूं। उस मिथुन और आज के मिथुन में कोई फर्क नहीं है। मैं किसी का मिथुन दादा, किसी का दोस्त, किसी का पड़ोसी, लगता हूं। वो फील मैंने हमेशा रखा है। मैंने अपने दिमाग में कभी वो चीज लाने ही नहीं दी कि मुझे चार-चार नैशनल अवॉर्ड मिले हैं। लोग मुझे लिविंग लेजेंड कहते हैं, मैं ये सब सुनता हूं, मगर उसे अंदर नहीं आने देता।

**आपने द बंगाल फाइल्स जैसी फिल्म के लिए हामी क्यों भरी?**

कारण यही था कि विवेक अग्निहोत्री अगर कोई फिल्म बनाते हैं, तो मेरे लिए कैरेक्टर बनाते हैं। मैंने ये फिल्म किरदार के कारण चुनी। मैं इसमें एक पागल आदमी का किरदार अदा कर रहा हूं, जो असल में पागल नहीं है। एक ऐसा पुलिस अफसर, सच बोलने के एवज में जिसकी जुबान काट दी गई थी। यह सड़कों पर कहीं भी सो जाता है, कचरे के डिब्बे से खाना उठाकर खाता है। यह किरदार फिल्म की अंतरात्मा है। यह जुबान से बोल नहीं पाता, तुतलाता है। इस चरित्र को निभाने में मुझे काफी तकलीफ हुई, मगर विवेक चाहते थे कि मैं ही करूं। बहुत दिनों तक मैं इसे करने से मना भी करता रहा, मगर आखिरकार मैंने किया।

**लोग तो कह ही रहे हैं, मगर फिल्म के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने भी स्वीकार किया कि ये एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगे?**

एकदम, ये एजेंडा वाली फिल्म ही है। विवेक सचाई पर फिल्म बनाता है, किसी फेक स्टोरी पर नहीं। उसका डॉक्युमेंटेशन ज़बरदस्त होता है, रिसर्च गहरा होता है। वो सबूत के साथ आपको फिल्म बना कर दिखाएगा। तो इसमें उसने कुछ गलत नहीं कहा।

**हाल ही में पड़ोसी मुल्क पर की गई अपनी बायनबाजी (यूरिनेशन वाला बयान) के कारण आप विवादों में भी आ गए?**

मैं जो कुछ कहता हूं, सच ही कहता हूं। जो मेरे दिल में आता है, मैं कह देता हूं, फिर वो पड़ोसी देश के लिए हो या किसी और देश के लिए। मुझे जो सच लगता है, मैं वह बोल देता हूं।

**संघर्ष के दौर में डूबते को तो तिनके का सहारा भी काफी होता है? आपके लिए क्या था?**

मैं तिनके के सहारे के बारे में भी नहीं सोच पाता था, मगर हां जो मुझे पहली फिल्म मिली, उसमें मैं आदिवासी हीरो बना, जो मेरे लिए एकदम परफेक्ट बैठ गया। फिल्म थी मृगया, इसके लिए मुझे नैशनल अवॉर्ड मिला। फिर मैंने रक्षक की, सुरक्षा में काम किया। मैं इवॉल्व हुआ, परफॉर्मेंस के नजरिए से, डांस की दृष्टि से।

मैं लोगों से कहता था, मेरे रंग को मत देखो, मेरा डांस देखो। इसीलिए आपने नोट किया होगा कि मेरी सारी डांसिंग पैरों से होती है। मैं अपने चेहरे पर ज्यादा फोकस नहीं करता। मैं एल्विस प्रेस्ली का फैन रहा हूं, तो मैं उनके डांस स्टेप्स को कॉपी करके अपने मूव्ज मिलाकर मैंने अपना स्टाइल बना दिया, जो आज की तारीख में मिथुन चक्रवर्ती की डांसिंग स्टाइल हर पार्टी या इवेंट में कॉपी होती है।

**आप नक्सलवाद से भी जुड़े रहे, तो उसके कारण आपको इंडस्ट्री द्वारा अपनाए जाने में किसी तरह की दिक्कत पेश आई?**

नहीं, नहीं उनको तो बाद में पता चला मेरे नक्सली होने का। अब उस बारे में बात नहीं करना चाहता। मगर मेरे रंग को लेकर मुझसे सबसे ज्यादा तकलीफ हुई, फिर मेरा वही रंग बाद में सेक्सी-डस्की बंगाली बाबू हो गया। लेकिन रंग के कारण फिल्म में कास्ट हो जाने के बाद भी निकाल दिया गया। क्या-क्या बोलूं? ये खत्म ही नहीं होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in